2 गज दूरी
मास्क जरूरी

साल 5 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com   Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-8   मार्च-2023   पृष्ठ-32   मूल्य : ₹ 20.00

महिला विशेषांक

सफलता की ओर बढ़ते कदम...

1 year

10 अप्रेल, 2023

चेतन कुमावत

जिला अध्यक्ष

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष के पद पर 1 वर्ष पूर्ण होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

एक वर्ष का कार्यकाल, काम बेमिसाल

- जयपुर शहर में ज्योतिबा राव फूले व बाबा भीमराव अम्बेडकर जल प्याऊ
- राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में परिसर सज्जा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी
- योग शिवर का आयोजन
- 8 साल सेवा सुशासन, गरीब कल्याण-प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन
- तिरंगा रैली का आयोजन
- पर्यावरण संरक्षण के लिए जयपुर शहर में सघन वृक्षारोपण अभियान
- टी.बी. मरीजों को गोद लेने की पहल, राज्यपाल द्वारा सम्मानित
- जन्म दिवस पर 101 बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाये
- नव मतदाता जोड़ो अभियान की प्रदेश नेतृत्व द्वारा प्रशंसा
- प्रत्येक तीसरे माह टी.बी. मरीजों को पोषणयुक्त आहार किट का वितरण
- गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए परिण्डा अभियान
- अन्य पिछड़ा वर्ग प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन
- प्रदेशाध्यक्ष के जन्मदिवस पर फल वितरण, हैल्थ चेकअप कैम्प का आयोजन

शुभेच्छु :

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA

नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया

(राज्य स्तरीय ''निक्षय मित्र'' से सम्मानित संस्था)

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**
संरक्षक	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 **विशेष आमंत्रित सदस्य :** मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044**, जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ट संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ट संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

भारतीय संस्कृति में नारी का स्थान सदैव गौरवपूर्ण रहा है। जब तक यह भाव जीवंत रहा, संस्कृति व समाज का ताना-बाना मजबूत रहा, देश विश्वगुरु से लेकर सोने की चिड़िया के नाम से विभूषित रहा, लेकिन विदेशी आक्रांताओं के क्रूर व्यवहार एवं दमनचक्र तथा आंतरिक दुर्बलता के बीच नारी गरिमा का दौर गहरे विषाद से गुजरने के लिए विवश हुआ, लेकिन लंबे अंधकार युग के बाद कालचक्र पुन: नारी के वर्चस्व के जागरण व प्रतिष्ठापना की ओर बढ़ रहा है।

वेदों में नारी को वेदाध्ययन करने का स्पष्ट प्रमाण है। ऋग्वेद में ऋषि संदेश देते हुए कह रहे हैं कि 'मैं तुम्हें समान रूप से ग्रंथों का उपदेश देता हूं।' अथर्वेद में स्पष्ट संदेश है कि कन्या ब्रह्मचर्य का पालन करके वर का ग्रहण करें। यहां पर ब्रम्हचर्य का अर्थ है ब्रह्मा अर्थात वेद में चर अर्थात ज्ञान को प्राप्त करना। **महाभारत में** स्पष्ट रूप से लिखा है कि जिनका धर्म समान हो और वेद -शास्त्रविषयक ज्ञान समान हो, उनमें मित्रता और विवाह आदि हो सकते हैं, बलवान और सर्वथा निर्बल व्यक्तियों में नहीं। वेदों में स्त्री को विदुषी बनने का और अपने गुण, कर्म और स्वभाव के अनुसार गुणशाली वर चुनने का श्रेष्ठतम अधिकार दिया गया है। वैदिक काल में नारी को यज्ञ में भाग लेने का पूर्ण अधिकार था जिसे मध्यकाल में वर्जित कर दिया गया था। यजुर्वेद मैं नारी को संबोधित करते हुए कहा गया है- ''हे स्त्री, तू स्तुतियोग्य, उत्तमवाणी युक्ता रमणिया, पूजनीया, कमनिया, चंद्र के समान आह्यकारिणी, श्रेष्ठ शील से प्रकाशमान अर्थात ज्योति के समान अज्ञानांधकार को अपने दिव्य गुणों के प्रकाश से दूर करने वाली, दीनता एवं हीनता के भावों से रहित, परंपरा से पूर्ण, विविध गुणों से प्रसिद्ध तथा विविध विधाओं में प्रवीण है। साथ ही नारी को ताड़ना न करने और पूजनीय कहा गया है।'' परमात्मा की आराधना में सर्व प्रथम स्थान माता को ही दिया गया है जैसे- त्वमेव माता च पिता त्वमेव, मातृ देवो भव पितृ देवो भव...।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:।।

जिस कुल में नारियों की पूजा, अर्थात सत्कार होता है, उस कुल में दिव्य गुण, दिव्य भोग और उत्तम संतान होती है और जिस कुल में स्त्रियों की पूजा नहीं होती, वहां सब क्रियाएं निष्फल है। इस तरह वेदों में, भारतीय शास्त्रों में नारी को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा गया है और वही दृष्टि हमें सदा रखने की जरूरत है।

इसी प्रसंग में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का मार्च 2023 का अंक 'महिला शक्तियों' द्वारा तैयार कराकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है। आशा है आपको हमारा यह प्रयास पसंद आयेगा। आप सभी को **हिन्दू नववर्ष 2080 एवं चैत्र नवरात्री की शुभकामनाएं।**

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय 3
आभार 4
कुमावत गौरव : श्री रामनिवास कुमावत 5
शिमला कुमावत बाल संरक्षण समिति की सदस्या नियुक्त 5
स्मृति शेष : नागौर भाजपा के भीष्म पितामह श्री हरीश कुमावत 6
भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा की दो दिवसीय बैठक सम्पन्न 6
प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न 7
पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना से होगा पारम्परिक कारीगरों और शिल्पकारों का संरक्षण 7
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम 7
दहेज प्रथा बंद करने की पहल की 7
12वाँ युवक-युवती परिचय सम्मेलन व फागोत्सव 8
फागोत्सव समारोह सम्पन्न 8
कुमावत क्षत्रिय महिला समिति के चुनाव सम्पन्न 8
सूरतगढ व सांभर को जिला बनाने की मांग की 8
राम नवमी व जातीय एकता दिवस 30 मार्च को 8
रूद्र का नेशनल साइबर ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन 8
आधुनिक जीवन शैली में व्यायाम से चमत्कारिक फायदे 9
कोमल हूँ, कमजोर नहीं 9
सशक्त नारी से ही बनेगा सशक्त समाज 10
परिवार के सृजन में नारी की भूमिका 11
अच्छा स्वास्थ्य, खुशहाल परिवार 12
जरूरतमंद को किताबें मुहैया कराने की मुहिम 12
मम्मी-पापा की परी थी, आज सास-ससुर की जरी हूँ... 12
73 वर्षों में महिलाएं कहां तक पहुँची 13
महिला सशक्तिकरण 13
ए कॉफी विथ वूमेन्स 14
मातृशक्ति सशक्तिकरण 14
कुमावत समाज का राजनीतिक विकास पर मंथन 15
अगले जन्म मोहे बिटिया ही की जो 16
महिलाओं को करना होगा खुद का सम्मान, तभी मिलेगा समाज में मान 17
एक वर्ष का कार्यकाल काम बेमिसाल : जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत... 18
महिलाओं में स्वास्थ्य चेतना की जागरूकता 19
आज के परिपेक्ष्य में नारी 20
अन्य समाजों द्वारा समाज सुधार को कदम 20
साइबर सुरक्षा 21
ऐसे बनाएं बेसन ढोकला 22
शबरी राम संवाद 23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि 24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची 25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें 26
चयनित एवं पदस्थापित हुए समाजजन 28
दिव्या को संस्कृत मे सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर सम्मानित 28
ऑस्कर में भारत को दो अवार्ड/ श्रद्धांजलि 29
बधाई विज्ञापन 30

आभार

सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं की बौद्धिक समाज का निर्माण करने में मुख्य भूमिका होती है। सामाजिक पत्र-पत्रिकाएं समाज का आईना होता है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका ने अल्प समय में समाज में काफी लोकप्रियता प्राप्त की है। जिसका मुख्य कारण समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन है। यह पत्रिका समाज की प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए लगातार प्रयासरत है। समसामयिक संदेश, प्रतिभाओं को आगे लाना और समाज की गतिविधियों का संकलन कर समाज के लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बने इस उद्देश्य से पत्रिका को शुरु किया गया था। सामाजिक पत्रकारिता चुनौतियों से भरी होती है इसमें भी महिलाओं के लिए तो एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं की आवाज को समाज तक पहुंचाने का एकमात्र माध्यम भी यह पत्रिका है। भारत सरकार के वर्ष 2023 के कलेण्डर में मार्च माह को '**नारी शक्ति**' को समर्पित किया है। इसी क्रम में महिलाओं के प्रति जागरुक व समर्पण रखने वाली **'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने एक बार फिर 'महिला विशेषांक' प्रकाशित कर साबित कर दिया कि वामांगी के बिना सारे हवन व्यर्थ है,** समाज की प्रगति में महिलाएं विशेष योगदान रखती है।

मैं, भारती तोंदवाल (सचिव) उन सभी महिलाओं को धन्यवाद देती हूँ व नमन करती हूं जिन्होंने लेखन में अपनी प्रतिभा को इस पत्रिका के माध्यम से उजागर किया है तथा बढ़-चढ़कर सहयोग दिया है और उम्मीद करती हूँ कि भविष्य में भी पत्रिका के साथ आपका यह स्नेह यूँ ही बना रहेगा। मैं, धन्यवाद देती हूँ 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश जी गैदर व सह-सम्पादक जयसिंह जी गुडीवाल का जिन्होंने मुझे अनवरत प्रेरित करते हुए सहयोग दिया। मैं समझती हूं कि इनके सहयोग के बिना पत्रिका का इतना भव्य स्वरूप प्रकाशन होना संभव नहीं था। साथ ही मैं, धन्यवाद देती समस्त ट्रस्टीगण, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक मंडल, व्यवस्थापक मंडल का जिन्होंने हमें लगातार सहयोग किया। आशा करती हूं कि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का 'महिला विशेषांक' आपको अवश्य पसंद आयेगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका शीघ्र ही राजनीति विशेषांक का प्रकाशन करने का विचार रखती है। इस सम्बन्ध में निवेदन है कि (1) 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को समाज के राजनीतिक व्यक्तित्वों का परिचय भिजवाएं, (2) कैसे समाज में राजनीतिक चेतना लाई जाए तथा आगामी विधानसभा चुनाव में समाज क्या तरीका अपनाए जिससे कि राजनीतिक पार्टियों से अधिक से अधिक टिकट हासिल किए जा सकें, इसके सम्बन्ध में अपने आर्टिकल्स/लेख प्रकाशनार्थ ई-मेल या वॉट्सएप पर भिजवाने का कष्ट करें।

-**भारती तोंदवाल,** सचिव, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

श्री रामनिवास कुमावत

''मंजिले उनको मिलती हैं जिनके सपनों में जान होती है। पंखों से नहीं, हौंसलों से उड़ान होती है।'' कुछ ऐसे ही प्रशस्त हौंसलों एवं साहस का जज्बा रखने वाले व्यक्तित्व के धनी कोई ओर नहीं बल्कि **श्री रामनिवास कुमावत** हैं, जिन्हें हाल ही में **राजस्थान सरकार ने जयपुर डिस्कॉम में प्रबंध निदेशक** के महत्वपूर्ण पद से नवाजा गया है। सांभर जिले में दिनांक 10.7.1958 को स्वर्गीय बी.एल. कुमावत के घर जन्म लेकर प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा से ही होनहार रहने वाले श्री कुमावत ने मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट से बी.टेक करके जयपुर के पौद्दार इंस्टीट्यूट से वर्ष 1991 में एम.बी.ए. किया। करीब 4 वर्ष कोटा थर्मल में इन्होंने कनिष्ठ अभियन्ता के पद से सेवा शुरू की तथा सहायक अभियंता से मुख्य अभियंता तक का पदस्थापन अत्यंत उल्लेखनीय व उपलब्धियों भरा रहा जिनमें बिजली की छीजत एवं चोरी रोकना तथा सरकारी खजाने में अधिकतम रेवेन्यू जमा कराना महत्वपूर्ण रहे। जेडीए में रहते हुए आपने जयपुर शहर की विभिन्न विद्युत योजनाओं को जनता के हितों में अंजाम दिया।

सतर्कता अधिकारी के रूप में 1995-2000 तक अपने नेतृत्व में कुशल सेवा देने के फलस्वरूप आपने 10 लाख रुपए का कैश अवार्ड हासिल किया। आपको 15 अगस्त, 1997 को राजस्थान सरकार द्वारा स्टेट अवार्ड से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त भी आपकी कार्यक्षमताओं के चलते अनेक प्रमाण -पत्र आपको मिलते रहे हैं।

आपके संपूर्ण कार्यकाल में प्राप्त उपलब्धियां अतुलनीय रहीं। बिजली की छीजत रोकने तथा 100 प्रतिशत राजस्व अर्जित करने में आपकी शैली से डिस्कॉम के सभी अधिकारी चिरपरिचित हैं। अपने कार्यकाल में आपने सरकार की नीतियों में किसानों के बिजली हितों के लिए कड़े कानूनों में शिथलन दिलवाया तथा डिस्कॉम की एग्रीकल्चर पॉलिसी-2017 बनाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

31 जुलाई 2018 को आप चीफ इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए। आपको बिजली सप्लाई के ऑपरेशन एवं मेंटीनेन्स, विजिलेंस, आईटी और रेवेन्यू का लम्बा अनुभव है। सेवा के दौरान आपकी प्रशंसनीय सेवाओं को मध्यनजर रखते हुए आपको राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जयपुर डिस्कॉम का एम.डी. बनाया गया है। इससे कुमावत समाज गौरवान्वित हुआ है।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती स्नेह प्रभा एक कुशल गृहणी है, दो सुपत्रियाँ श्रीमती भूमिका (विवाहित) तथा मेधावी कुमावत है जो अपने-अपने क्षेत्रों में आपके पद चिह्नों पर चलकर समाज का नाम रोशन कर रही हैं। आपके दामाद श्री शशिकांत कुमावत ने IIT, खड़कगपुर से की है तथा ISB हैदराबाद से MBA कर मल्टीनेशनल कम्पनी में उच्च पद पर कार्यरत हैं।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक बनाये जाने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार आपको बधाई देते हुए आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

शिमला कुमावत बाल संरक्षण समिति की सदस्या नियुक्त

राजस्थान सरकार के क्रियाकलापों एवं कार्यविधियों को घर-घर पहुंचाने वाली समाज सेविका श्रीमती शिमला कुमावत को राज्य सरकार ने एक बड़ी जिम्मेदारी से नवाजते हुए उन्हें **बाल अधिकारिता विभाग** में जयपुर जिला बाल संरक्षण समिति की सदस्या नियुक्त किया गया है। इस विभाग में बालकों के प्रकरण की जांच, सुनवाई और निपटान का कार्य किया जाता है। विदित रहे कि कुमावत गत कई वर्षों से स्वयं के विद्यालयों के बच्चों पर कई प्रकार से रिसर्च कर चुकी हैं, जिससे उन बालकों की हर एक्टिविटी को मद्देनजर रखते हुए बच्चों के संरक्षण में महारथ हासिल है। शिमला कुमावत समय-समय पर बच्चों की काउंसलिंग भी करती है, जिससे अबोध बालक अपने संरक्षण व एक अच्छा नागरिक बनकर समाज का चेहरा बन जाता है। इनकी नियुक्ति पर कई समाजसेवी संस्थाओं एवं शिक्षण संस्थानों के मुखियाओं ने राज्य सरकार का आभार जाते हुए हर्ष व्यक्त किया साथ ही बधाई प्रेषित की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से **श्रीमती शिमला कुमावत** को हार्दिक बधाई।

नागौर भाजपा के भीष्म पितामह श्री हरीश कुमावत

कुमावत समाज एवं भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता हरिश चंद्र कुमावत का कुचामन सिटी में निधन हो गया। राजनीति में अपनी अलग ही पहचान रखने वाले हरिश जी का जन्म 3 अप्रैल 1944 को कुचामन सिटी में हुआ था। आपके पिताजी दूली चंद जी मारवाल (कुमावत) को उस्ता जी के नाम से जाना जाता था। हरिश जी ने वर्ष 1962 में जवाहर हाई स्कूल से मेट्रिक तथा वर्ष 1966 में पोलेटेकनिक कॉलेज, अजमेर से सिविल इंजीनियर की डिग्री लेकर नगरपालिका में कनिष्ठ अभियंता पद पर नियुक्त हुए। किन्तु बार-बार स्थानान्तरण से दुःखी होकर उन्होंने राजकीय सेवा से त्यागपत्र देकर वर्ष 1982 में नगरपालिका कुचामन सिटी से पार्षद का चुनाव भाजपा के टिकिट पर लड़कर विजयी हुए, कुचामन सिटी नगरपालिका में भारतीय जनता पार्टी के प्रथम चेयरमैन बने तथा कुचामन सिटी नगरपालिका को राजस्थान की सर्वश्रेष्ठ नगरपालिका बनाया। जिसके परिणामस्वरूप 40 वर्षो तक नगरपालिका की बागडोर भारतीय जनता पार्टी के पास रही। विधान सभा चुनाव वर्ष 1985 में आपने नावां विधान सभा क्षेत्र से चुनाव जीत कर पहली बार विधान सभा में पहुंचे, वर्ष 1990 में दूसरी बार, वर्ष 1998 में तीसरी बार एवं वर्ष 2003 में चौथी बार नांवा का भाजपा विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व किया। आपने वर्ष 1994 का लोक सभा चुनाव मारवाड़ के दिग्गज राजनेता नाथूराम मिर्धा के सामने लड़ा था। नागौर जिले में भारतीय जनता पार्टी को गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक पहुंचाने का श्रेय हरिश जी को ही जाता है, आप नागौर भाजपा के 9 बार सर्वसम्मति अध्यक्ष रहे एवं संगठन को मजबूती प्रदान की। राजनीति में आरोप लगाना आम बात पर 40 वर्षो के लम्बे राजनेतिक जीवन में आप पर कोई आरोप नही था। आपकी ईमानदारी, सादगी एवं मृदु व्यवहार की विपक्षी भी तारीफ करते रहे हैं। दांतारामगढ़ विधान सभा क्षेत्र से आपको वर्ष 2013 में एवम वर्ष 2018 में भाजपा ने टिकिट देकर चुनाव लड़ाया पर दोनों ही बार मामूली अंतर से चुनाव हार गए, जीत हार का अंतर पांच सो वोटो के लगभग ही रहा। नगरपालिका कुचामन सिटी के आप 2015 में भी चेयरमैन रहे एवं वर्ष 2018 में आपकी धर्मपत्नी श्रीमती यशोदा देवी चेयरमैन बनी एवम आप वाइस चेयरमैन रहे। आप **शिल्प एवं माटी कला बोर्ड** के चेयरमैन बनाये गये एवं राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव चिन्ह पर सर्वाधिक चुनाव लडने एवं सर्वाधिक बार जिलाध्यक्ष रहने का आपका रिकॉर्ड रहा है, राजनीति एवं निजी जीवन में आप अजातशत्रु रहे, आपने सभी से दोस्ताना व्यवहार रखा। आपने कभी भी अपने सिद्धांतों से समझोता नहीं किया, कभी गलत कार्य का समर्थन नही किया, जो कार्य विधि सम्मत होता आप घर बैठे ही करवा देते पर नहीं होने वाले काम के बारे में तुरंत मना कर देते थे। आपने पूर्ण सात्विक जीवन जीया। आप बनावटी बात कभी नही करते थे, व्यक्तिगत कार्यों की बजाय सार्वजनिक कार्यों को ज्यादा महत्व देते थे। आपने क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर खूब जन आंदोलन किए। आप सभी कार्यकर्ताओं की बात सुनते थे तथा उन पर कभी गुस्सा नही किया, उनके समझाने का अलग ही तरीका था, वे प्रत्येक कार्यकर्ता पर नजर रखते थे तथा मार्गदर्शन देते थे।

इन्होंने लंबा राजनेतिक जीवन बेदाग छवि के साथ जीया, जीवन में मित्र ही बनाए, मतभेद रखने वालो से भी कभी मनभेद नही रखा। आप कुमावत समाज के हर कार्यक्रम में आते थे। आपके जाने से हुए रिक्त स्थान को भरना मुश्किल है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आदरणीय श्री हरीश कुमावत को भावभिनी श्रद्धांजलि।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की दो दिवसीय बैठक संपन्न

उदयपुर। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) में देश के अन्य राज्यों जोडकर अब 5 जोन से बढाकर 7 कर दिए गए हैं। इसमें दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात, दिल्ली, उत्तर पूर्व राजस्थान, दक्षिण पश्चिम राजस्थान शामिल है। सदस्यता अभियान में जिस राज्य में एक हजार सदस्य बन जाएंगे, उन्हें स्वतंत्र जोन घोषित किए जाएंगे। उदयपुर में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में यह निर्णय लिए गए। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा का ... शेष पृष्ठ 22 पर

प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

खण्डेला, सीकर में तहसील स्तरीय 9वें प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन **कुमावत समाज सेवा समिति** द्वारा किया गया। इसमें ओमप्रकाश कुमावत, अध्यक्ष व डॉ. आर.सी. कुमावत मुख्य अतिथि थे, इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री मधु कुमावत, प्रदेश महामंत्री राधेश्याम काम्या व नगर पालिका रींगस अध्यक्ष अशोक कुमावत भी थे। इस समारोह में डॉ. आर.सी. कुमावत ने कहा कि समाज को राजनैतिक में भागीदारी के लिए समाज की एकता जरूरी है,तभी समाज आगे बढ़ेगा। जब हमारा समाज एक रहेगा तभी अन्य समाज के लोग सहयोग करेंगे। प्रदेश महामंत्री काम्या ने कहा कि हमारा समाज भी प्रशासनिक सेवा में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है, समाज शिक्षित होगा तो धनबल में मजबूत होगा।

समारोह में 155 प्रतिभाओं एवं भामाशाहों का सम्मान किया गया। इसमें 10वीं एवं 12वीं में 85प्रतिशत अंक लाने वाले व सरकारी नौकरी लगने वाले 25 लोग भी सम्मिलित थे। मंच का संचालन नवीन कुमावत ने किया।

जैसलमेर में कुमावत समाज का प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन श्री कमलेशानन्द भारती महाराज व श्री निरंजन भारती महाराज के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कृषि कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी थे। समारोह में पुलिस उपअधीक्षक प्रियंका कुमावत RPS, चिकित्सा अधिकारी BSF मनोज कुमावत भी उपस्थित थे। इसमें समाज की प्रतिभाओं व भामाशाहों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। **मुख्य अतिथि चौधरी ने कहा कि कुमावत समाज अनुशासित व संगठित है।** उन्होंने सांसद कोटे से 20 लाख रुपये समाज को देने की घोषणा की। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति कल्ला ने 31 लाख रुपये की लागत से लाइब्रेरी निर्माण, जैसलमेर विधायक रूपाराम ने विधायक कोटे से 11 लाख रुपए, केबिनेट मंत्री साले मोहम्मद ने 10 लाख रुपए तथा प्रधान तनसिंह ने प्याऊ निर्माण की घोषणा की। समाज के गोपीकिशन ने 5.51 लाख रुपए तथा समाज के लोगों ने भी राशि देने की घोषणा की। इस समारोह में मंच संचालन लीलाधर कुमावत व पदम कुमावत ने किया।

पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना से होगा पारम्परिक कारीगरों और शिल्पकारों का संरक्षण

केन्द्र सरकार ने देश के पारम्परिक कारीगरों और शिल्पकारों की कला को संरक्षण देकर हुनर को बढ़ाने के लिए पीएम विश्वकर्मा कौशल योजना का शुभारम्भ किया है। इसके अन्तर्गत बढ़ई, सुनार, कुम्हार और मूर्तिकारों को औजार व तकनीक की मदद तथा आसान दरों पर ऋण उपलब्ध करायेगी।

महात्मा गांधी का सपना था **ग्राम स्वराज्य,** जिसके अन्तर्गत खेतीबाड़ी के अलावा गांवों में दक्ष कारीगर उपलब्ध हों जिनसे ग्राम स्वायत्त हो। किन्तु देश के आजाद होने के बाद सरकारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। परिणामस्वरूप ग्रामीण पुश्तैनी धंधों से दूर होते चले गये या शहरों की ओर कूंच कर गये। इससे ग्राम स्वराज्य पीछे छूट गया। आज छोटे-छोटे कारीगरों के लिए भी ग्रामीणजन, शहरों पर निर्भर हो गये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ओर ध्यान दिया तथा यह योजना प्रारम्भ की है। इससे ग्रामीण हुनर को बढ़ावा मिलेगा तथा गांव आत्मनिर्भर होगा। इससे ग्रामीण कारीगर देश की अर्थव्यवस्था में योगदान कर पायेंगे तथा उनके उत्पाद को वैश्विक बाजार मिल पायेगा। सरकार ने बजट बाद इस विषय पर वेबिनार आयोजित की है। आशा है कि इससे हमारे मूर्तिकार व अन्य परम्परागत कारीगर लाभान्वित होंगे।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की जिला इकाई जयपुर देहात, जयपुर शहर इकाई द्वारा **30 मार्च, 2023** को क्रमश: चौमूं व बाल निवास कल्याण जी का रास्ता,जयपुर में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का स्थापना दिवस एवं जाति दिवस 30 मार्च, 2023 को मनाया जाएगा। इसी तरह महासभा की विद्याधर नगर इकाई द्वारा **झोटवाड़ा में 101 महिलाओं की कलश यात्रा** शिल्प कॉलोनी, तेजाजी का मंदिर झोटवाड़ा से कुमावत कॉलोनी, दादूद्वारा बगीची झोटवाड़ा तक निकाली जाएगी। महाराष्ट्र इकाई द्वाराभी कुमावत जाति दिवस व महासभा स्थापना दिवस मनाया जायेगा। बाल निवास कल्याण जी का रास्ता, जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया, जयपुर शहर जिला देहात इकाई चौमूं में राष्ट्रीय महामंत्री श्री रूप सिंह कारगवाल, विद्याधर नगर इकाई द्वारा कलश यात्रा का शुभारम्भ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामेश्वर बम्बोरिया व समापन महासभा के पूर्व मुख्य सलाहकार श्री विमल कुमावत पूर्व उप महापौर जयपुर नगर निगम द्वारा किया जायेगा।

दहेज प्रथा बंद करने की पहल की

कुमावत समाज के दो युवकों ने बिना दहेज के विवाह की रस्में अदा करके विवाह में दहेज प्रथा को रोकने की पहल की। सुखदेई कोठी खारिया निवासी **मयंक छापोला** पुत्र दयालराम छापोला व दीपपुरा निवासी **अम्बालाल** पुत्र भागीरथ राम नोखवाल ने समाज की रूढ़िवादी कुरीतियों को मिटाने तथा दहेज की बुराई को रोकने की पहल की व शगुन के नाम पर एक रुपए नारियल लिया। जिसमें भागुराम सोकल निवासी चेजारा की कोठी, श्रवणपुरा की पुत्री सजना का विवाह मयंक तथा उनकी छोटी बेटी पुजा का विवाह अम्बालाल के साथ हुआ। **दहेज प्रथा के खिलाफ समाज के युवकों द्वारा की गई पहल स्वागत योग्य है।**

12वाँ युवक-युवती परिचय सम्मेलन व फागोत्सव

अखण्ड कुमावत क्षत्राणी समूह, जयपुर का 12वाँ युवक-युवती परिचय सम्मेलन 5 मार्च, 2023 को बाल निवास, जयपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती उमा माचीवाल, अतिथि श्रीमती संतोष कुमावत, पूर्व सरपंच सिंधरा तथा श्रीमती सावित्री अनावड़िया थी। कार्यक्रम में कुमावत इंडिया पत्रिका के श्री जयसिंह गुड़ीवाल, सह-सम्पादक ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के प्रथम भाग में प्रदेशभर से आए **59 युवक-युवतियों ने अपना परिचय देते हुए फार्म भरा।** इस दौरान इनमें से **1 रिश्ता भी तय हुआ।** कार्यक्रम के दूसरे भाग में फागोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें समाजजनों ने फागोत्सव का आनन्द लिया। श्रीमती राजबाला बरथलिया अध्यक्षा एवं श्री यशपाल कंडेरीवाल द्वारा पधारे हुए अतिथियों तथा समाजजनों का आभार प्रकट किया।

फागोत्सव समारोह सम्पन्न

अखंड कुमावत नारी युवा शक्ति, जयपुर द्वारा चतुर्थ फागोत्सव समारोह 26 फरवरी 2023 को बाल निवास, कल्याण जी का रास्ता, चांदपोल, जयपुर में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश बालोदिया ने दीप प्रज्वलित किया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष संतोष बालोदिया और ग्रुप सदस्य रेखा गैदर, अनिता छाबलीय, आशा बड़ीवाल, अंजू आशीवाल, हेमलता कुमावत, मंजू कुमावत, रेणु कुमावत, राखी कुमावत, माया कुमावत, रोहिणी कुमावत, आदि महिलाओं ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल मनाया।

कुमावत क्षत्रिय महिला समिति के चुनाव सम्पन्न

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समिति जयपुर के वर्ष 2023-25 द्विवर्षीय चुनाव समिति की वरिष्ठतम सदस्या श्रीमती उमा कछावा चुनाव अधिकारी द्वारा चुनाव सम्पन्न कराए गए। विजयी उम्मीदवारों का विवरण निम्न प्रकार है- **अध्यक्ष श्रीमती सुनीता नन्दीवाल**, उपायक्ष श्रीमती विजय कुमारी नागा, सचिव श्रीमती माया घोड़ेला, कोषाध्यक्ष श्रीमती सुलोचना वर्मा, उप सचिव श्रीमती शोभा खोवाल, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रेणु कुण्डलवाल, खेल सचिव श्रीमती गीता बालोदिया, प्रचार सचिव श्रीमती सुजाता राजोरिया, कार्यकारिणी सदस्य : श्रीमती कमलेश घोड़ेला, श्रीमती राजेश्वरी राजोरिया, श्रीमती शीला गहलोत, श्रीमती शोभा बालोदिया, श्रीमती शोभा गहलोत, श्रीमती पूनम कुदीवाल तथा श्रीमती चेतना वर्मा।

सूरतगढ व सांभर को जिला बनाने की मांग की

सूरतगढ़ शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्य मंत्री डूंगर राम गेदर ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात करके गेदर सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग पर लोगों की जन भावनाओं से अवगत करवाया।

डूंगर राम गेदर व **निर्मल कुमावत** विधायक, फुलेरा इस मांग को लेकर दोनों ही पृथक-पृथक आदरणीय मुख्यमंत्री जी से भी मिलकर नए जिलों की घोषणा पर पुनर्विचार कर संशोधित लिस्ट में **सूरतगढ़** व **सांभर** को जिला बनाने की घोषणा कर क्षेत्र के लोगों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

राम नवमी व जातीय एकता दिवस 30 मार्च को

30 मार्च 2023 को **उदयपुर नगर महासभा** द्वारा आयोजित राम नवमी जातीय एकता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस बार भव्य कलश शोभायात्रा भी होगी। हमारे रीति रिवाज, हमारा धर्म, हमारी संस्कृति पर होगी बालक बालिकाओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता जो कि रामायण, महाभारत, गीता, भारत के वीर पुरुषों पर आधारित होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक-बालिकाओं को तीन वर्गों : कक्षा 3 से 5, कक्षा 6 से 8 तथा 9 से 12 तीनों वर्गों में में बांटा गया है। प्रथम, द्वितीय एव तृतीय स्थान पाने वाले बालक-बालिका को रामनवमी जातीय एकता दिवस पर पुरुस्कृत कर **कुमावत प्रतिभा सम्मान** दिया जाएगा।

26 मार्च 2023 को समाज के पांच क्षेत्र पुला, देवाली, मुकुंदपुरा, सूरजपोल, सक्रापुरा पर प्रतियोगिता होगी।

उदयपुर में निवासरत कुमावत समाज के किसी बालक-बालिका ने राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर किसी खेल में कोई उपलब्धि हासिल की है वे बालक-बालिका मय प्रमाण पत्र अपना रजिस्ट्रेशन 26 मार्च 2023 तक करा देवे। सभी प्रतिभावान बालक बालिकाओं को रामनवमी जातीय एकता दिवस कार्यक्रम पर सम्मानित किया जाएगा।

नगर महासभा द्वारा बॉलीबॉल प्रतियोगिता व KPL क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रामनवमी के बाद होना प्रस्तावित है।

-**युवराज सिंह नाहर,** जिलाध्यक्ष,नगर महासभा उदयपुर

रूद्र का नेशनल साइबर ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

संत ग्रिगोरियस जूनियर विद्यालय, उदयपुर के कक्षा 4 के छात्र मास्टर रूद्र कुमावत ने नेशनल साइबर ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर 128, रीजनल स्तर पर 101, जोनल स्तर पर 51 एवं विद्यालय स्तर पर प्रथम रैंक अर्जित की। विद्यालय के असिस्टेंट मैनेजर फादर रिजो राजन कोशी एवं प्रधानाध्यापिका विधि प्रसाद ने छात्र की उपलब्धि की सराहना करते हुए विद्यालय स्तर पर उसे पुरस्कृत किया।

आधुनिक जीवन शैली में व्यायाम से चमत्कारिक फायदे

आजकल की जीवन शैली में महिलाओं पर घर तथा ऑफिस दोनों की जिम्मेदारियां आ गई है। समय पर ऑफिस पहुंचने तथा थककर लौटने के कारण वे स्वयं पर कम ध्यान दे पाती है। पहले के जमाने में महिलाएं ऑफिस नहीं जाती थी तो घर के काम जैसे साफ-सफाई, पशुओं की जिम्मेदारी, कृषि कर्म, खाना बनाना, चक्की चलाना आदि कर लेती थी तथा श्रम के साथ व्यायाम हो जाता था। पर वर्तमान में विशेषकर शहरी जीवन में ये सब नहीं होता। ऐसे में स्त्रियों के लिए व्यायाम एवं योग ही स्वस्थ व स्फूर्त रखने के उपाय है।

व्यायाम का महत्व : व्यायाम मन व शरीर का सम्मिलित श्रम है। इससे नवीन ऊर्जा, स्फूर्ति, सौन्दर्य वृद्धि तथा नई प्रेरणा के साथ आत्मबल में बढ़ोतरी होती है। शरीर में अनेक मर्मस्थल होते हैं जो कोमल होते हैं किन्तु इनमें विलक्षण शक्तियां होती हैं। इनकी शक्ति में और अभिवृद्धि करने के लिए व्यायाम आसन तथा योग सहायक होते हैं। इससे शरीर की आंतरिक शुद्धि होती है।

स्त्रियों के लिए व्यायाम : शहरी भागमभाग वाली जीवन शैली में रोजाना 2-3 कि.मी. तक प्रात: तेजी से घूमना अच्छा व्यायाम है। बच्चियां व युवतियां आदि रस्सी कूदती हैं तो अच्छा व्यायाम है। स्कूली शिक्षा के दौरान कराये गये व्यायाम करने से भी शरीर में स्फूर्ति व ताजगी आ जाती है। स्त्रियां भारी व्यायाम नहीं करें क्योंकि उनके कोमल प्रजनन अंग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस सम्बन्ध में किसी एक्सपर्ट से सलाह लेकर व्यायाम, आसन तथा योग करें। मासिक धर्म तथा गर्भावस्था के दौरान विशेष व्यायाम नहीं कर हल्का व्यायाम उचित है। स्त्रियों को स्वयं के काम दूसरों पर नहीं टालने की आदत बनानी चाहिये इससे स्वयं का शरीर ठीक रहता है, वात, पित, कफ आदि दोषों का नाश होता है तथा जठराग्नि प्रदीप्त होती है।

स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार, जल, वायु, सूर्य का प्रकाश, विश्राम तथा निद्रा की जरूरत होती है। उसी भांति व्यायाम, आसन तथा योग भी जरूरी है। अंग-प्रत्यंगों को स्वाभाविक रूप से सशक्त बनाये रखने के लिए टहलना सरलतम उपाय है। इससे मानसिक प्रसन्नता व शारीरिक स्वास्थ्य दोनों ठीक रहते हैं। दिनभर ऑफिस में कार्य करने वालों को तो घूमना अत्यन्त आवश्यक है। इससे शरीर सुडोल रहता है, फेफड़े स्वस्थ रहते हैं, पेट ठीक रहता है, भूख अच्छी लगती है तथा नींद अच्छी आती है। कहा जाता है कि प्रात:काल बगीचे में दूब पर नंगे पांव घूमने से आँखों की ज्योति बढ़ती है। तो आईये, नियमित घूमना, व्यायाम, आसन तथा योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं पर अपनी आयु, बल, शारीरिक स्थिति को देखकर व्यायाम करें।

-अमिता कुमावत

कोमल हूँ, कमजोर नहीं

वर्तमान समय में एक परिवार, समाज, और देश में नारी का संपूर्ण योगदान रहा है। हर नए क्षेत्र में स्त्री अपनी पहचान बना रही है। आज ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां उच्च स्थान पर नारी कार्यरत ना हो नारी के सम्मान और शिक्षा के लिए हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए ताकि एक सभ्य समाज का निर्माण हो सके। कहते हैं जहां स्त्री का सम्मान होता है वहां सुख समृद्धि होती है और देवी-देवताओं का भी वास होता है, एक स्त्री सारे रिश्तों को कितने अच्छे से संभालती है आज महिलाएं हर क्षेत्र में खुद को साबित कर रही हैं।

पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन कई क्षेत्रों में आज भी महिलाओं को बराबर का अधिकार नहीं मिल पा रहा है। **भ्रूण-हत्या** के कारण हमारे देश में संख्या लगातार घट रही है। महिलाओं पर किए गए अत्याचार **भ्रूण-हत्या** और बलात्कार जैसे मामले आए दिन बढ़ते ही जा रहे हैं, यह चिंताजनक बात है इसीलिए इस आर्टिकल में महिलाओं के प्रति सम्मान पैदा करने वाले कुछ विचारों को प्रकाशित करने का छोटा सा प्रयास किया जा रहा है। नारी का सम्मान करो, अपमानित मत करो, नारी के इस बल पर ही जग चलता आ रहा है। स्त्री हो या पुरुष वह इन्हीं की गोद में पलता है, जीवन की कला को अपने हाथों से सजा संवार कर उसे साकार करने का प्रयत्न स्त्री ही करती है।

नारी अस्तित्व है, सुंदर जीवन जीने का आधार है। ईश्वर के बाद नारी को अधिक माना जाता है। स्वयं अपने जीवन को जीने के लिए और जीवन जीने योग्य बनाने के लिए नारी का सम्मान करना मां का सम्मान करना है और मां का सम्मान भगवान का सम्मान करना है। जो व्यक्ति सच्चे दिल से भगवान को चाहता है सम्मान करता है वही जीवन को आनंदमयी होकर जीता है, अपेक्षा है कुछ विचारों को रखने का प्रयास किया है इन्हीं के द्वारा हम एक से दूसरे को सशक्त बनाने का प्रयास जरूर करें और भविष्य को उज्जवल बनाए।

श्रीमती सुनीता नंदीवाल
अध्यक्षा, श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास समिति, जयपुर

सशक्त नारी से ही बनेगा सशक्त समाज

महिला सशक्तिकरण शब्द ही काफी नहीं है सुनने के लिए। महिलाओं को अपने अधिकारों एवं अस्तित्व के लिये सशक्त, जागरूक होना होगा और उसकी क्रियान्वाति करनी होगी। महिलाओं को सशक्तिकरण के लिये अपने निर्णय स्वयं लेने होगें। जिसमें सामाजिक व आर्थिक निर्णय शामिल है और उसी तरह निर्णय लेने से वे स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनेगी। महिलाओं में बहुत क्षमता होती है। लेकिन पुरूष प्रधान समाज उन्हें हतोत्साहित करता चला आया है।

महिलाओं में बहुत अच्छी प्रबन्धन क्षमता होती है, वह घर व बाहर के कार्यों को बहुत सुचारू रूप से चला सकती है और एक सकारात्मक परिणाम दे सकती है। आज हमारे समाज में महिलाओं में शिक्षा को लेकर जागरूकता आई है। लेकिन उसका प्रतिशत अभी कम है, स्त्री शिक्षा को अहमियत दीजिये। **बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ** के नारे को सार्थक कीजिए ताकि एक सुसभ्य व उन्नतिकारक समाज बन सके। एक सुशिक्षित महिला परिवार की तीन पीढ़ियां उन्नत करती है। स्त्री शिक्षा पर जोर देकर सभी कुरूतियों को समाप्त करे ताकि घरेलू हिंसा, नारी उत्पीड़न जैसी क्रियान्वति ना हो। आज भी समाज में यह देखने में आता है कि सामाजिक दबाव के चलते लडकियाँ अपने ससुराल वालो के अत्याचार सहन करती है। यहाँ पर उन्हें अपने अधिकारों को समझना होगा व आवाज उठानी होगी। महिलाओं को चाहिए कि पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए स्वंय के बारे में चिंतन करें।

हमारे समाज में आज महिलाये सभी क्षेत्रों में अग्रणी है जो कि समाज के लिए एक अच्छा संकेत है। यहाँ पर मैं मेरी सभी कार्यरत बहनों से कहना चाहती हूँ कि कार्यक्षेत्र पर यदि कोई लिंग भेद होता है तो उसका मुकाबला करे व अपने अधिकारों के प्रति सजग रहे व ऐसे क्रियाकलाप पर तुरन्त प्रभाव से कार्यवाही करे।

मेरे समाज व बन्धुओं से पुन: अपील करती हूँ कि महिलाओं का सम्मान करे, उन्हे प्रोत्साहित करे, उनका सहयोग करे हतोत्साहित ना करे। महिलाओं को पारिवारिक निर्णयों में भी शामिल करें एवं उनसे सलाह मशविरा करे।

इसी परिप्रेक्ष्य में एक एडवोकेट के नाते मैं नारी समाज के लिये कुछ अधिकारों का जिक्र कर रही हैं जिससे कि हम महिलायें जागरूक रहें–

1. समान मेहनताने का अधिकार : इक्वल रिम्यूनरेशन एक्ट में दर्ज प्रावधानों के मुताबिक, जब सेलरी या मेहनताने की बात हो तो लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकते। किसी कामकाजी महिलाओं को पुरुष की बराबरी में मेहनताना, पे लेने का अधिकार है।

2. भारती कानून के मुताबिक अगर किसी महिला के खिलाफ दफ्तर में या कार्यस्थल पर शारीरिक उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न होता है तो उसे शिकायत करने का अधिकार है। इस कानून के तहत महिला 3 महीने की अवधि के भीतर ब्रांच ऑफिस में इंटरनल कंप्लेट कमेटी (ICC) को लिखित शिकायत दे सकती हैं।

3. भारतीय संविधान की धारा 498 के अन्तर्गत पत्नी, महिला लिव इन पार्टनर या किसी घर में रहने वाली महिला को घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार मिला है। पति, मेल लिव इन पार्टनर या रिश्तेदार अपने परिवार की महिलाओं के खिलाफ जुबानी, आर्थिक, जज्बाती या यौन हिंसा नहीं कर सकते। आरोपी को 3 वर्ष की गैर जमानती कारावास की सजा हो सकती हे या जुमार्ना भरना पड़ सका है।

4. पहचान जाहिर नहीं करने का अधिकार किसी महिला की **निजता की सुरक्षा** का अधिकार हमाने कानून में है। अगर कोई महिला यौन उत्पीड़न का शिकार हुई है तो वह अकेले मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करा सकती है, किसी पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में बयान दे सकती है।

5. मुफ्त कानूनी मदद का अधिकार : लीगल सर्विसेज अथॉरिटी एक्ट के मुताबिक बलात्कार की शिकार महिला को मुफ्त कानूनी सलाह पाने का अधिकार है, लीगल सर्विस अथॉरिटी की तरफ से किसी महिला का इंतजाम किया जाता है।

6. रात में महिला को नहीं कर सकते गिरफ्तार : किसी महिला आरोपी को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं कर सकते। अपवाद में फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट के आदेश को रखा गया है। कानून यह भी कहता है कि किसी से अगर घर में पूछताछ कर रहे हैं तो यह काम किसी महिला कांस्टेबल या परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में होना चाहिये।

7. वर्चुअल शिकायत दर्ज कराने का अधिकार : कोई भी महिला वर्चुअल तरीके से अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है। इसमें वह ईमेल का सहारा ले सकती है। महिला चाहे तो रजिस्टर्ड पोस्टल एड्रेस के साथ थाने में चिट्ठी के जरिये अपनी शिकायत भेज सकती है, इसके बाद एसएचओ महिला के घर पर किसी कांस्टेबल को भेजेगा जो बयान दर्ज करे।

8. अशोभनीय भाषा का नहीं कर सकते इस्तेमाल : किसी महिला (उसके रूप या शरीर के किसी अंग) को किसी भी तरह से अशोभनीय, अपमानजनक या सार्वजनिक नैतिकता को भ्रष्ट करने वाले रूप में प्रदर्शित नहीं कर सकते। ऐसा करना दंडनीय अपराध है।

9. महिला का पीछा नहीं कर सकते : आईपीसी की धारा 354डी के तहत ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही होगी जो किसी महिला का पीछा करें, बार-बार मना करने के बावजूद संपर्क करने की कोशिश करें या किसी इलेक्ट्रॉनिक कम्यूनिकेशन जैसे इंटरनेट, ईमेल के जरिये मॉनिटर करने की कोशिश करें।

10. जीरो एफआईआर का अधिकार : किसी महिला के खिलाफ अगर कुछ घटना होती है, तो वह किसी भी थाने में या कहीं से भी एफआईआर दर्ज करा सकती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि शिकायत उसी थाने में दर्ज हो, जहां घटना हुई है। जीरो एफआईआर के बाद से उस थाने भेज दिया जाएगा, जहाँ अपराध हुआ है।

यह सभी हम महिलाओं के अधिकार हैं जिनके बारे में अक्सर हमें अनभिज्ञ रहती हैं। सजग रहे, सुरक्षित रहें। अन्त में इस नारे के साथ मेरी लेखनी को विराम देती हूँ–

''बिजली चमकती है, तो आकाश बदल देती है''
आँधी उठती है, वो दिन-रात बदल देती हैं
जब गरजती है नारी, तो इतिहास बदल देती हैं।

–मधु कुमावत, एडवोकेट, राज. हाईकोर्ट

परिवार के सृजन में नारी की भूमिका

हम सभी भली भांति जानते हैं कि देश की कल्पना समाज के बिना, समाज की कल्पना परिवार के बिना तथा परिवार की कल्पना स्त्री के बिना की ही नहीं जा सकती। **स्त्री ही समाज तथा देश के अस्तित्व की प्रमुख धुरी है।** माना कि हमारा समाज पुरुष प्रधान समाज है। हमारे देश की सामाजिक व्यवस्था इस प्रकार की है जिसमें पुरुष को ही परिवार का सर्वेसर्वा माना जाता है। परिवार के भरण पोषण व पालन की जिम्मेदारी पुरुष वर्ग की ही होती है। परिवार के बुजुर्ग, महिलाएं तथा बच्चे सभी पुरुष सदस्यों पर आश्रित होते हैं। मगर सत्यता यह भी है कि नारी ही बालक को सुसंस्कारित करके समाज को एक सभ्य, शिक्षित तथा होनहार नागरिक देती है। एक स्त्री एक मां, पत्नी, बहिन, पुत्री तथा बहु के रूप में परिवार के खान-पान, साफ-सफाई, व्यवहारिक औपचारिकताएं, बच्चों को शिक्षित करना, संस्कारित करना तथा उनको जीवन को जीने की विविध कलाएं सिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संक्षेप में कहें तो स्त्री ही अपनी मेहनत से परिवार को सजाती, संवारती है तथा उन्नत बनाती है। नारी सृजन तथा समाज का आधार है और जब समाज सशक्त और विकसित होगा तभी एक मजबूत राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है। समाज के निर्माण तथा सशक्तिकरण में स्त्री तथा पुरुष दोनों ही समान रूप से सहभागी होते हैं, दोनों एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं। **पुरुष यदि परिवार का पालनहार है तो स्त्री एक स्वस्थ परिवार की रचनाकार है।** जिस समाज में नारी शक्ति को सम्मान दिया जाता है, उसकी विचारधारा का आदर किया जाता है, वही समाज विकसित होता है।

हमने हर रिश्ते के रूप में स्त्री को एक स्वस्थ परिवार के निर्माण में सशक्त भूमिका निभाते देखा व सुना है। मगर स्त्री का एक रूप और भी होता है और आज मैं लीक से हटकर नारी के उसी रूप, उसी पद का एक संक्षिप्त सा जिक्र कर रही हूं। आज बात जब एक स्त्री के जीवन तथा परिवार में उसके समर्पण की बात आयी है तो मैंने स्त्री जीवन के उस रूप पर विचार विमर्श करना उचित समझा जिस पर कभी किसी की सकारात्मक दृष्टि पड़ती ही नहीं। जी हां, जिस प्रकार एक स्त्री अपने जीवन में माँ, पत्नी, बेटी, बहिन हर रिश्ते को निभाते हुए जीवन पर्यन्त अपने परिवार की सेवा करती है उसी तरह वह एक दिन सास भी बनती है। परिवार में जब बहु का आगमन होता है तो वह सास के रूप में उसे लाड़-प्यार संस्कार देती है। उसे घर परिवार के रहन-सहन तथा आदतों के बारे में समझाती है तथा अपनी बहुत को ससुराल में माँ के रूप में वात्सल्य देती है। अक्सर लोगों को इस रिश्ते के बारे में नकारात्मक विचारधारा ही रखते देखा है मगर सच यह है कि यह पद भी स्त्री के लिए बहुत जिम्मेदारी का पद होता है। वास्तव में वह सास के रूप में अपनी अगली पीढ़ी का सृजन करती है। पुरानी चली आ रही सोच, लोगों की एक स्थिर विचारधारा तथा कुछ अपवादों को मद्देनजर स्त्री के इस रूप को सदा ही एक विवादास्पद श्रेणी में रखा या मगर हजारों-लाखों परिवारों में हम आसानी से यह देख सकते हैं कि परिवार की बुजुर्ग स्त्रियां या बड़ी महिलाएं अपनी अगली पीढ़ी की स्त्रियों अर्थात बहु बेटियों को परम्पराओं का व्यवहारिक ज्ञान तथा संस्कार देकर उन्हें एक सुगढ़ गृहणी एक आदर्श माता तथा एक सफल स्त्री बनाने में सहयोग करती हैं।

हमारे मन में **'सास'** शब्द सुनते ही भले ही नारी की एक विशेष छवि उभर कर सामने आती है मगर सत्यता यह है कि जब एक स्त्री इस पद को प्राप्त करती है और घर में पुत्रवधु लेकर आती है तो उसके अन्तर्मन की भावनाएं किस प्रकार की होती हैं, इसी को मैंने एक कविता के रूप में अपने शब्दों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया है:-

जिस दिन से पुत्र को जन्म दिया, उस दिन से राह तकी तेरी।
अब जाकर तुझको पाया है, कि सूरत आज दिखी तेरी।।
जो राज आज तक मेरा था, वो राज-पाट अब तेरा है।
जो था अब तक मेरा ही मेरा, वो आज सभी कुछ तेरा है...।।
थोड़े-थोड़े रुपये जोड़कर कुछ गहने बनवाए थे।
पहने नहीं पर कभी उन्हें, ये सब गहना अब तेरा है।।
जो था अब तक मेरा ही मेरा, वो आज सभी कुछ तेरा है...।
छोटी सी धुंए भरी रसोई में उम्र गुजार दी मैंने अपनी।।
मैंने तो उफ भी ना की, पर बहुत नहीं सह पाएगी।
बहुत नहीं सह पाएगी वो परेशान हो जाएगी।।
नयी रसोई बनवायी, जिसमें है सुविधाएं सारी।
ये रसोई तेरी, घर आंगन तेरा, ये खान-पान सब तेरा है।।
जो था अब तक मेरा ही मेरा, वो आज सभी कुछ तेरा है...।
मेरे जिगर का टुकड़ा है, ये मेरी आँखों का तारा।।
मेरी खुशियां है बेटा मेरा, ये जो पति अब तेरा है।
जो था अब तक मेरा ही मेरा, वो आज सभी कुछ तेरा है...।।
बस इतना है कहना तुझसे, ये घर-परिवार है मान मेरा।
है मान मेरा, ये इस मान का सम्मान बनाए रखना।।
ये धरम आज से तेरा है, जो था अब तक मेरा ही मेरा।
वो आज सभी कुछ तेरा है...।।

- उर्वशी बालोदिया

अच्छा स्वास्थ्य, खुशहाल परिवार

महिला संपूर्ण परिवार के स्वास्थ्य की धुरी होती है। घर की साफ-सफाई, साज-सज्जा, भोजन संबंधी आदत व व्यवहार का निर्धारण काफी हद तक उन्हीं के हाथों में होता है, अर्थात घर के बजट के अनुसार सारा प्रबंधन भी करीब-करीब महिलाओं को ही देखना होता है। घर में किसी भी सदस्य को किसी भी तरह की पीढ़ा होने पर सेवा सुश्रुषा का भार लगभग उन्हीं के कंधों पर होता है।

इन सब जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बावजूद पूरे परिवार में वही एक होती है जो सबको पौष्टिक भोजन, फल आदि खिलाकर खुद खाती है। पूरे दिन बिना थके अपने काम में लगे रहना यह भारतीय गृहणी की आदत ही है। सबके आवश्यक कार्यो के बीच उसकी अपनी आवश्यकताएं प्राय: गौण सी रहती हैं। सबको पौष्टिक व स्वादिष्ट भोजन देकर उसे संतोष की अनुभूति होती है। लेकिन एक डॉक्टर होने के नाते मैं बताना चाहूँगी की लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जीना यह सबका अधिकार है। औरत को यह ध्यान अवश्य रखना पड़ेगा की वह स्वस्थ एवं ऊर्जावान रहकर सही मायने में अपना गृहस्थ जीवन चला सकती है। सबके साथ-साथ उसे भी पौष्टिक भोजन खाना है। मौसमी फल व सब्जियाँ उसे अपने आहार का हिस्सा बना कर खाना चाहिए। कुछ घंटे काम के तो कुछ समय आराम भी दिनचर्या में शामिल करना होगा।

सेहत के मामले में सबसे ज्यादा लापरवाह गृहणियाँ होती हैं, छोटी-मोटी बीमारियों को नजरअंदाज करके जीना और उम्र भर परेशानी उठाना अक्सर महिलाओं में देखा जाता है और इसका खामियाजा पूरे परिवार को उठाना पड़ता है। अत: आवश्यक रूप से समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाते रहें और बीमारी में दवाइयों का नियमित सेवन व आराम करके स्वास्थ्य लाभ लें।

40 वर्ष की होने पर कम से कम वर्ष में एक बार अपना नियमित चैकअप अवश्य करावें ताकि कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का पता प्रारंभिक अवस्था में ही चल सके। कई महिलाओं को शारीरिक व्याधि के अलावा यह भी नहीं पता चल पाता कि वे मानसिक रूप से भी बीमार या परेशान हैं अत: ऐसी समस्या के लिए नियमित रूप से समय निकाल कर योग व प्राणायाम का सहारा अवश्य लें। आवश्यक होने पर मनोचिकित्सक से परामर्श भी ले सकती हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को कैल्सीयम व प्रोटीन अधिक मात्रा में चाहिए। एक ग्लास दूध नियम से प्रतिदिन लेना शुरू करें। परिवार में महिलाओं के स्वास्थ्य का पाया मजबूत रहेगा तो सबकी देखभाल अच्छी तरह से होगी व सबकी खुशियां बरकरार रहेंगी। अत: हमें पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य संबंधी सलाह, आवश्यक सार संभाल, स्वयं के लिए समय, योगा, मेडिटेशन इन सबको अपनी दिनचर्या में निश्चित रूप से शुमार करना पड़ेगा।

- डॉ. नमिता भारती

जरूरतमंद को किताबें मुहैया कराने की मुहिम

स्वामिनी सेवा संस्था, सोडाला, जयपुर द्वारा जनहित में एक मुहिम चलाई जा रही है जिसमें पुरानी किताबें लेकर किसी भी जरूरतमंद विद्यार्थी को वे किताबें उपलब्ध कराती हैं।

जिस किसी के पास भी बच्चों की पुरानी किताबें हों वे इस संस्था को उपलब्ध करा दें जिससे कि संस्था जरूरतमंदों को यह किताबें उपलब्ध करा सकें। इस हेतु निम्न मोबाइल फोन पर सम्पर्क किया जा सकता है- **अशोक कुमावत 9352070394 एवं गुरु दयाल वर्मा 9314246781**

मम्मी-पापा की परी थी, आज सास-ससुर की जरी हूँ...

मम्मी-पापा की कल परी थी, आज सास-ससुर की जरी हूँ।
उनकी छाया में बड़ी हुई थी, आज सास-ससुर की कारीगरी हूँ।
शान में आपको क्या कहूँ कली थी मैं पीहर की,
आज खिलती दुपहरी हूँ।
शादी होकर आई थी तो ना अक्ल थी ना समझ,
घूंघट का ताना-बाना मुझे कभी समझ में नही आया था।
कैसा खाना किसको पसंद है सिर के ऊपर से निकल जाता था,
क्या कुकिंग, क्या समाज,
क्या मंदिर कभी समझ में नहीं आता था।
फिर भी सास-ससुर ने मुझे आगे बढ़ना सिखाया,
ना समझ पर कोई नियम-कानून लगाया।
जैसे हमारी बेटी वैसी हमारी बहु,
ऐसी कोशिश में मैंने सर्वदा आपको पाया।
ऐसे प्यार-स्नेह को पाकर मैं भाव-विभोर व धन्य हूँ
और आपके इसी प्यार की खाद से,
तूफान में भी अटल अविचल हूँ।
''मम्मी-पापा की परी थी,
आज सास-ससुर की जरी हूँ।''

-भारती मंडावरा
उदयपुर

73 वर्षों में महिलाएं कहां तक पहुँची

भारत के संविधान ने नारी को लैंगिक समानता का अधिकार दिया है साथ ही उन्हें मताधिकार देकर सरकार बनाने में उनके महत्व को रेखांकित किया है। सरकार ने भी समय-समय पर नारी उत्थान के अनेक कानून बना कर नारी को सम्मान, गरिमा तथा सुरक्षा देने का प्रयास किया है। भारत में नारियों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू हुई हैं। जिससे उनका सामाजिक उत्थान हो सके।

भारत के संविधान को लागू हुए 73 वर्ष बीत गये। परन्तु आज भी भारत में नारी को असमानता, शोषण व उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। इसका मुख्य कारण अशिक्षा, सामाजिक तानाबाना व जागरूकता का अभाव रहा है। आज शिक्षा का प्रसार तो फिर भी हुआ है परन्तु महिलाओं के पक्ष में बने कानून व योजनाओं की उन्हें जानकारी नहीं है। इस कारण इस आधी आबादी को वो हक नहीं मिला जिसकी वे हकदार है। हमारे पुरुष प्रधान समाज में महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग तो कर रही हैं पर उनके विकास की राह में काटें अभी भी बिछे पड़े हैं पर काननू महिलाओं के साथ है।

हमारे देश के न्यायालयों ने निर्भया प्रकरण, एसिड अटैक, विशाखा प्रकरण, तीन तलाक, सबरी माता मंदिर प्रवेश, महिला भरणपोषण आदि मामलों में महिलाओं के पक्ष में निर्णय दिये हैं। केन्द्र व राज्य स्तर पर महिला आयोग गठित किए हैं। अब महिलाओं के विरुद्ध अपराध के लिए अलग थाने बनाए गये हैं। महिला हैल्प-लाईन की सुविधा है। कामकाजी महिलाओं के लिए कार्यालयों में महिला समितियां बनायी गई हैं, जिसकी मुखिया महिला होती हैं। बहुत अब नौकरानी नहीं, घर की सदस्य है, यह गौरवशाली निर्णय है। सतीप्रथा, देवदासी प्रथा, बाल विवाह, डाकन प्रथा पर रोक लग चुकी है तथा पर्दाप्रथा भी अब नाममात्र ही है। खाप पंचायतों पर भी रोक लग चुकी है।

जरूरत है अब पुरुष-प्रधान समाज की सोच में भी बदलाव हो। शुरुआत हो चुकी है, आज महिलाएं सरकार व प्राइवेट नौकरियां कर रही हैं तथा अपने शहर से दूर रह सेवाएं दे रही है। पुलिस शिक्षा, सेना, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा व स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में महिलाएं 24 × 7 तत्परता से कार्य कर रही है। प्रशासनिक व न्यायिक सेवाओं में भी महिलाओं ने अच्छा कार्य किया है। पर महिलाओं को उनका पूर्ण हक दिलाने के लिए उन्हें उच्च शिक्षित करना तथा कानून की जानकारी देना जरूरी है। वह निर्णय लेने में भी भागीदार बनें।

द्रोपदी मुर्मू भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर है। गणतंत्र दिवस 2023 परेड में हमने महिला शक्ति का वर्चस्व देखा। जहां तक हमारे समाज में महिलाओं की बात की जाये तो न्यायिक क्षेत्र में उर्मिला वर्मा, नेहा कुमावत, पुलिस में प्रियंका कुमावत RPS, प्रशासनिक सेवाओं में पल्लवी वर्मा IAS के साथ-साथ अनेक महिलाएं उच्च पदों पर चयनित होकर निर्भिकता से कार्य कर रही हैं। शिक्षित महिला से ही शिक्षित परिवार व समाज का निर्माण होता है। अत: शिक्षा तथा रोजगार के क्षेत्रों में महिलाओं को जहां अवसर मिले उन्हें रोके नहीं बल्की प्रोत्साहित कर समाज को विकास के पथ पर बढ़ने में मदद करें। **-नीतू गैदर**

महिला सशक्तिकरण

महिलाओं का अति प्राचीन काल से ही सम्मानजनक स्थान रहा है, **वैदिक काल** में महिलाओं का शिक्षा एंव सामाजिक क्षेत्रों में पुरूषों के बराबर अधिकार प्राप्त थे।

उत्तर वैदिक काल आते ही पर्दा प्रथा, अशिक्षा, अंधविश्वास तथा अनैक कुरूतिया फैलने से महिलाओं की स्थिति खराब होती चली गई। वहीं **आधुनिक काल** में शिक्षा का प्रचार-प्रसार, समाज सुधारकों, एंव समाज सेवकों के जटिल प्रयासों से महिलाओं के सम्मान एंव उनके अधिकारों को लिए आवाज उठाई गई जिसके परिणाम स्वरूप नारी सशक्तिकरण होने लगा नारी को पुरूषों के समान अधिकार प्राप्त हुये जिससे देश में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति व राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अनेक उच्च पदों पर अपना स्थान बनाती गई। रमाबाई पंडित ने स्त्री शिक्षा पर कार्य किया तो मदर टरेसा जैसी महान विभुति ने सर्वधर्म समभाव से गरीबों के लिए सेवा के अनेक कार्य किये। आज हमारे देश में 8 मार्च को अर्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए इस अवसर पर अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत भी की जाती है।

महिला सशक्तिकरण से तात्पर्य:- सशक्तिकरण से तात्पर्य किसी व्यक्ति की उस क्षमता से है जिससे उसमें योग्यता आ जाती है, जिससे वो अपने जीवन से जुडे सभी निर्णय खुद ले सके। उसी प्रकार महिला सशक्तिकरण में भी जहां महिलाएं परिवार और समाज के सभी बंधनों से मुक्त रहकर अपने निर्णय स्वंय ले सके वही महिला सशक्तिकरण कहलाता है।

महिला सशक्तिकरण के लाभ:- महिलाओं को आगे बढने का अवसर प्राप्त होगा, उनमें आत्म विश्वास जागृत होगा। महिलाएं पुरूषों के समान कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर सकेगी तथा महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता और मौद्रिक निर्णय लेने की क्षमता विकसित होगी।

महिला सशक्तिकरण हेतु भारत सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका :- भारत सरकार द्वारा महिलाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत जिसमें **बेटी बचाओं, बेटी पढाओ, महिला उज्ज्वला योजना** आदि योजनाओं को अंजाम दिया है जिससे ही भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार हुआ है और वो पुरूषों के समान आगे बढ कर कार्य करने लगी है। कहा जाता है कि **यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता** अर्थात जहां नारी की पूजा होती है वहा देवता निवास करते है। **- राजबाला कुमावत,** सांगानेर

ए कॉफी विथ वूमेन्स

आदिकाल से समाज की उत्पत्ति, उत्थान में पुरुषों के साथ महिला या नारी (नारी शब्द तर्क संगत नहीं है आज के परिपेक्ष में) का योगदान रहा है। पुरुष प्रधान युग में हालांकि इसका विश्लेषण बहुत कम दिखाया जाता है। यह शायद कुछ विशिष्ट वर्ग द्वारा प्रचार-प्रसार कर मिथ पैदा किया गया था। परन्तु ईश्वर की रचना के अनुसार, महिला का स्थान सर्वोपरित रहा है या कहें सरल शब्दों में कि गाड़ी के सदैव दो पहिये ही होते हैं।

नारी निन्दा न करें, नारी रतन की खान।
जामी हरि जन उपजें, सोही रतन की खान।।

अर्थात् नारी की निन्दा मत करो, नारी अनेक रत्नों की खान है, उन्हीं के द्वारा भगवत पुरुषों की उत्पत्ति होती है और प्रभु भक्तों को नारी ही जन्म देती है।

जागरूक समाज में आज महिलाओं का योगदान सामाजिक व राजनैतिक स्तर पर अहम होता जा रहा है, महिलाओं विशेषकर भारतीय महिलाओं ने अपना स्थान विश्व पटल पर अंकित भी किया है।

परन्तु फिर भी आज भी अनेक सरकारी योजनाओं और जागरूक प्रचार-प्रसार के बाद भी ग्रामीण महिलाओं में अपने अधिकारों व समाज के अभिन्न अंग होने का अहसास बहुत कम ही सुदृढ़ हो पाया है। इसका अहम् कारण हमारे सामाजिक रूढ़िवादी परम्पराएं हैं जो उन्हें एक बंदिश में बांधकर रखती हैं।

मेरे व्यक्तिगत अनुभव से मैंने पाया है कि ग्रामीण महिलायें अपने उस परिपेक्ष से निकलने में सहज नहीं रहती हैं उनका प्रारम्भिक लालन-पालन इस प्रकार हुआ होता है कि उन्हें आगे जाकर क्या करना है बताया जा चुका है, उदाहरण के तौर पर जिस प्रकार एक मैमोरी कार्ड में कम्प्यूटर प्रोग्राम डालकर चलाया जाता है उसी प्रकार से ये काम करती हैं। भारत की एक बड़ी महिला प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती हैं।

एक जागरूक महिला होने के नाते मेरा ये मानना है कि हमें इस प्रकार के संगठन बनाने होंगे जो सप्ताह में इनके साथ बैठकर इन्हें शिक्षित और जागरूक करें। अधिक महत्वपूर्ण ये है कि उनमें दृढ़ आत्मविश्वास जगाये तभी वे सामाजिक प्रवाह और निर्णय क्षमता में बेहतर हो पायेगी।

केवल टी.वी., रेडियो के माध्यम से हम किसी नियम की रूप रेखा ही बता सकते हैं, दृढ़ निश्चयी बनाने के लिए **वन-टू-वन** होना ही पड़ेगा। इसके लिए प्रत्येक घर के पुरुषों का सहयोग भी महत्वपूर्ण रहेगा। उन्हें समझाना होगा कि उन्हें बढ़िया भोजन के साथ-साथ बढ़िया प्रबन्धन भी चाहिये तभी **एक और ग्यारह** की कहावत चरितार्थ होगी।

अंत में मेरा मानना है कि किसी भी समस्या का इलाज करने से उस समस्या के पैदा करने वाले कारणों का इलाज करना ज्यादा तर्क संगत होगा।

- मिताली आशुतोष
कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर

मातृशक्ति सशक्तिकरण

नारी वास्तव में ईश्वर की बनाई गई सबसे अद्भुत रचना है। वर्तमान में महिलाओं ने अपनी नई छवि का निर्माण किया है। वो समाज में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। लेकिन आज भी ये समाज उन्हें वो सम्मान नहीं दे पाया जिसकी वो हकदार है। अत: हम सबको मिलकर नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करने चाहिए। इस समय मेरा यह लेख पढ़ने वाली हर महिला से मैं अपील करती हूँ कि आपको भी खुद से प्यार करना होगा, खुद को सम्मान देना होगा और आत्मनिर्भर बनने का हर प्रयास करना होगा तभी आपका समाज और आपसे जुड़े हुए सभी लोग आपको सम्मान देंगे।

हौंसले से भरती है ऊँची उड़ान
ना कोई शिकायत न कोई थकान,
सबके जीवन का आधार है वो,
मत करना तुम नारी का अपमान।।

किसी भी देश को सशक्ति बनाने हेतु वहाँ की महिलाओं को सशक्त बनाना बहुत जरूरी होता है। महिला एक माँ, बहन और पत्नी के रूप में पुरुष जाति के जीवन में अहम् भूमिका निभाती है, तब जाकर एक सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। भारत देश को आगे बढ़ाना है तो महिलाओं को पूर्ण रूप से आजाद करके उनको सशक्त बनाना ही होगा।

आज भले ही महिलाओं की उन्नति, विकास और "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" के बारे में कितने ही नारे लगाये जाते हैं लेकिन जिस तरह से महिलाओं पर दुराचार, शोषण, छेड़खानी और भी कई मामले सामने आते हैं। देश की सरकार भले ही महिला हित में निरंतर कार्यरत हैं लेकिन जब तक देश का प्रत्येक नागरिक जागरूक होकर हर महिला को इज्जत और सम्मान नहीं देगा तब तक वहां कभी विकास नहीं होगा।

वो नारी ही है जिसकी वजह से सारा संसार गतिमान है। नारी है तो माँ का आँचल है, नारी है तो पुरुष के सुख-दुख में नि:स्वार्थ भाव से साथ निभाने वाला साथी है तथा नारी है तो भाई की कलाई पर सजी हुई राखी है।

रानी लक्ष्मीबाई बनकर अपने हक के लिए लड़ती है नारी।
मदर टैरेसा बनकर दीन-दुखियों का दर्द बाँटती है नारी।

- सीमाराज कुमावत

कुमावत समाज का राजनीतिक विकास पर मंथन

पुष्कर, **सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा** रजिस्टर्ड, जयपुर के बैनर तले 19 मार्च, 2023 को पुष्कर में सामाजिक संस्थाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक का शुभारम्भ भगवान श्रीराम की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सर्वश्री नानूराम कुमावत, पूर्व महापौर जयपुर विमल कुमावत, कुमावत मंच जयपुर के मनोज सिंह, संजय कुमावत, कैलाश किरोड़ीवाल, नन्दकिशोर कुमावत, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से रमेश गैदर, प्रभुदयाल तुनगरिया, गोपालसिंह, बृजमोहन देवतवाल, दीनदयाल मावर तथा इन्दुबाला, राजबाला आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस मंथन में प्रदेशभर से 20 सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा लगभग 300 समाजजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री रूपकिशोर कारगवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाजबंधुओं ने राजनैतिक पार्टियों से टिकट प्राप्ति के लिए एकजुट होकर प्रयास करने के संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीयनगर, जयपुर तथा **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल व रामप्रकाश मारवाल ने भी शिरकत की।

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष **रामेश्वर बम्बोरिया** ने बताया कि जयपुर में प्रदेशभर से कुमावतों द्वारा एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाकर शक्ति प्रदर्शन किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

श्री आर.एन. कुमावत

को जयपुर डिस्कॉम के
प्रबन्ध निदेशक के पद पर
नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु:
श्रीमती सज्जन देवी, महेन्द्र-निधि, विनीत-सुषमा एवं
समस्त तारकसी परिवार

• रतन एण्ड संस, लालकोठी, जयपुर मो. 9314880777 • रत्नम् कलेक्शन, लालकोठी, जयपुर मो. 7737561581
• तारकसी ज्वैलर्स, 10, जेडीए मार्केट, बजाज नगर, जयपुर मो. 9887419340,

अगले जन्म मोहे बिटिया ही की जो

नारी की महत्ता को भूल जाने के कारण आज सरकारों में नये-नये नारे देने पड़ रहे हैं कि **'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं', 'एक बेटी पढ़ेगी, चार पीढ़ी तरेगी'** आदि-आदि।

प्रकृति ने यूं तो **नर-नारी** को एक दूसरे का पूरक बनाया है पर समय-समय पर नारी की स्थिति बदलती रही है। शारीरिक रूप से सशक्त पुरुष का दंभ हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता आया है और वे हमेशा पुरुषों से ज्यादा संतुलित सहनशील व संवेदनशील नजर आई हैं। नारी ने मातृत्व का अधिकार पाकर भी कभी दंभ नहीं किया वरन् अपने जीवन को परिपूर्ण करने की सीढ़ी माना है और इसी गुण से उसमें दया, प्रेम व करुणा की अनुभूति जन्मजात मिली है।

हमारे धार्मिक ग्रंथ **'रामायण'** में तो स्त्री के मान-सम्मान व उसकी सशक्त स्थिति का अत्यंत अद्भुत वर्णन किया गया है और उसके सतीत्व की रक्षा का अत्यंत मार्मिक दृष्टांत दिया है। **इस्लामिक काल** व **मुगल काल** की बात करें तो स्त्री जाति के साथ हुई बर्बरता से इतिहास भरा पड़ा है। लगभग उसी काल के आसपास ऐसी सशक्त वीरांगनाएं भी हुई हैं जिनके संघर्ष, त्याग व बलिदान की गाथाएं हमारे इतिहास की थाति बन गई है।

अंग्रेजी दासता के समय झांसी की रानी जैसी कई वीरांगना महिलाओं ने इस भारत भूमि पर जन्म लिया जिन्होंने न केवल अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए अपितु निरन्तर संघर्ष कर समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियां दूर कर शिक्षा की अलख जगाई जिन्हें आज भी हमारी पाठ्य पुस्तकों द्वारा निरंतर पीढ़ी दर पीढ़ी पढ़ा जा रहा है।

आधुनिक भारत में वस्तुस्थिति बदली है, महिलाओं को हर क्षेत्र में अपने आपको स्थापित करने की होड़ है जिसमें वे बेहद सफल हैं किन्तु संघर्ष और करना पड़ेगा। लेकिन उन्होंने वो सम्मान अवश्य पाया है जिसकी वे हकदार हैं। आज कोई भी क्षेत्र-जल, थल, नभ उनसे अछूता नहीं है वे हर जगह पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं और शिक्षा के क्षेत्र में तो अक्सर महिलाएं हीं बाजी मारकर ले जाती रही हैं।

अब हम बात करें हमारे नैतिक मूल्य, संस्कार और संस्कृति के सम्मान की तो इन्हें हमेशा स्त्री से ही जोड़कर देखा जाता है। तो इन्हें बनाए रखने की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। एक सशक्त महिला हमेशा अधिकार के साथ-साथ कर्तव्यों पर भी ध्यान देगी क्योंकि वह जानती है की अधिकारों के साथ उच्छृंखलता से मूल्यों का ह्रास होता है अत: अधिकार व अनुशासन उसके साथ-साथ चलेंगे। महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग होना चाहिए किंतु अपनी कार्य क्षमता, हुनर और कौशलता को जगाना उससे भी महत्वपूर्ण समझना चाहिए। चूंकि एक बिटिया माँ की परछाई होती है। अत: उसके चहुँमुखी विकास की अपेक्षा हर समाज को रखनी चाहिए और बजाए उसे कमतर समझे। सभी को उसके अच्छे कार्यों की सराहना कर आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए।

ईश्वर की अनन्त कृतियों में नारी इतनी विलक्षण है कि उसे समझ पाना स्वयं उसी के हाथ में है। वह सरस्वती है, साक्षात लक्ष्मीरूपा है यहां तक दुर्गा भी वही है तो ये सारे लक्षण व हथियार स्वयं ईश्वर ने उसे सौंपे हैं तो निश्चितरूप से इस शक्तिस्वरूपा को अपने अन्दर छिपे इन गुणों को पहचान कर, सशक्त बनाकर सदैव स्वयं का, परिवार का, समाज का और देश का कल्याण करना चाहिए।

नारी ईश्वर की वह दुलर्भ कृति है जो एक नन्हीं आत्मा को अपने अन्दर समेट कर जन्म देती है वो कभी अबला नहीं हो सकती, सारे रिश्तों की डोर जिसके हाथ में हो तो वह कमजोर कभी हो नहीं सकती। गृहस्थी का पूरा ताना-बाना जिसका मस्तिष्क बुनता हो वह बेचारी हो ही नहीं सकती। अत: आवश्यकता है एक स्वस्थ, सुंदर, कल्याणकारी और समभाव दृष्टि से मानवता का ताना-बाना बुनने वाली नारी की जिसे ईश्वर भी नमन करता है, किसी ने लिखा भी है कि-

नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत नभ पगतल में
पियूष स्रोत सी बहाकरों, जीवन के सुंदर समतल में।

इतने अद्भुत गुणों से ओतप्रोत, शक्ति स्वरूपा, देवीय गुणों से सम्पन्न इस विलक्षण स्त्री जीवन के लिए मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करती हूँ कि-

अगले जन्म मोहे बिटिया ही की जो।

- भारती तोंदवाल

मंच, मंच है नहीं घमासान,
महिला को भी मिले सम्मान

महिलाओं को करना होगा खुद का सम्मान, तभी मिलेगा समाज में मान

भारत में सदैव ही नारी को अत्यन्त उच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया तथा उसे लक्ष्मी, देवी, साम्राज्ञी, महिषी आदि सम्मानसूचक नामों से अभिहित किया जाता रहा है। वेदकाल में नारी को एक रत्न की संज्ञा दी गई थी। नवरात्रों में छोटी बालिकाओं (कन्याओं) के पूजन की प्राचीनकाल से चली आ रही प्रथा आज भी कायम है। जब भी हम किसी देवी देवताओं की बात करते हैं, तो वहां भी देवता से पहले देवी ही बोलते हैं- 'देवी-देवता', न कि 'देवता देवी। इसी कारण स्त्री को पिता, गुरु और आचार्य से पहले 'माता' को नमन किया जाता है। यज्ञ, धार्मिक अनुष्ठानों में भी धर्मशास्त्रों के अनुसार पत्नी रहित पुरुष का अधिकार ही नहीं माना गया तथा ऐसे कार्यों में पति के दाएं हाथ की ओर सम्मान सहित बिठाया जाता है। नारी को नर के समान धार्मिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक आदि अधिकार प्राप्त थे। नारी के बिना नर को यज्ञ न करने की भावना के पीछे भी नारी सम्मान की भावना ही तत्कालीन पुरुष के हृदय में अन्तर्निहित थी। विवाह संस्कार पर हो या धर्मानुष्ठानों में अग्नि परिक्रमा के समय कन्या के अग्रगामिनी होने की व्यवस्था इस बात की सूचक है कि हिंदू धर्म में स्त्री को कितना उच्च स्थान प्राप्त है। **जिस घर या परिवार में स्त्रियों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग के समान होता है और वहां देवता सदा निवास करते हैं।**

परन्तु समाज में आज भी महिलाओं का वो स्थान प्राप्त नहीं है। महिला दिवस पर जुबानी जमा खर्च खूब होता है। महिलाओं को बराबरी का हक मिले इसके लिए सिद्धांत रूप में सभी संकल्प भी लेते हैं, लेकिन सामाजिक दृष्टि से तो अब भी महिलाओं का दर्जा दोयम है। महिलाओं की स्थिति में कोई भारी सकारात्मक फेरबदल आया हो ऐसी स्थिति अभी नहीं आई है। हम अभी नहीं कह सकते कि भेदभाव खत्म हो गया है। चाहें महिला हो या पुरुष हम सभी समाज का हिस्सा है। महिलाओं की पीड़ा है कि आज भी उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक मानने की परंपरा खत्म नहीं हुई है।

... शेष पृष्ठ 21 पर

एक वर्ष का कार्यकाल काम बेमिसाल: जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

सफलतम 1 वर्ष पूर्ण, कार्यकर्ता ही भाजपा ओबीसी मोर्चा की ताकत

कुछ व्यक्तियों का जन्म ही परहित के लिए होता है। इनके जीवन के उद्देश्य ही अलौकिक और प्रेरणादायक होते है। पीड़ित मानवता के प्रति इनके हृदय की अगाध श्रद्धा प्रणम्य है। मानव सेवा परमो: धर्म: के प्रतिमान तथा अहर्निश सेवामहे: के सद्उद्देश्य को समर्पित होकर मानव मात्र के दर्द को अपना जानकर किंचित सा कम करने के प्रेरक प्रयास करने वाले इस तरह के व्यक्ति विरले ही मिलते है। दूसरों की खुशी को अपनी खुशी और पराये दु:ख-दर्द, पीड़ा को अपना मानने की उदार मनोवृत्ति विरले लोगो में ही होती है। मानवता के इसी परमार्थी तत्व को धारण करने वाली प्रतिमूर्तियों में से एक हैं "टीम चेतन धुंधारिया" के संस्थापक व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष श्री चेतन धुंधारिया (कुमावत)।

आपका जन्म 1 नवम्बर 1971 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। आपके पिता श्री सोहनलाल धुंधारिया जो जयपुर के प्रसिद्ध हैण्डीक्राफ्ट आर्टिस्ट के रूप में जाने व पहचाने जाते थे। आपने राजस्थान विश्वविद्यालय से बी.कॉम की शिक्षा ग्रहण की। आपका हैण्डीक्राफ्ट का व्यवसाय हैं। वर्तमान में आप श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति, (रजि.), जयपुर तथा कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जन मंगल सेवा ट्रस्ट, (रजि.) जयपुर के उपाध्यक्ष है। सन् 2019 में जब संपूर्ण मानव जाति कोरोना महामारी से जूझ रही थी। तब आपने टीम चेतन धुंधारिया की स्थापना की। जो आज न केवल कुमावत समाज अपितु संपूर्ण राजस्थान में अपनी विशिष्ठ पहचान बना चुकी हैं। आपके कुशल नेतृत्व में टीम के सदस्य समाज में ही नहीं पूरे देश में नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

आपकी कार्यशैली से प्रभावित हो भारतीय जनता पार्टी ने आपको जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर नित नए आयाम स्थापित कर रही है आपने ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर को एक नई पहचान दी है।

जिलाध्यक्ष पद की अनवरत यात्रा का सफ्लतम 1 साल पूर्ण हो गया है। इस सफर के दौरान आपने पूरे ओबीसी वर्ग का स्नेह, प्यार और विश्वास बटोरते हुए भाजपा ओबीसी मोर्चा की अमिठ पहचान बनाई और भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान की। सामाजिक और आर्थिक बदलाव लाने के उद्देश्य और पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुचानें के लिए आप प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य को पाने में मोर्चे के सभी पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता निरन्तर प्रयासरत हैं। ... शेष पृष्ठ 27 पर

महिलाओं में स्वास्थ्य चेतना की जागरूकता

समाज में स्वास्थ्य चेतना उत्पन्न करने का प्रयास करना चाहिए। आज की नारी शिक्षित है, वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी है, तब भी उसमें स्वास्थ्य के प्रति सजगता का अभाव है। स्त्री को स्मरण रखना चाहिए कि वह परिवार की धुरी हैं। वही परिवार को एक सूत्र में पिरोकर रख सकती है। घर-परिवार का ध्यान रखते हुए सदैव अपनी अवहेलना करती देखी जाती है। आज जब कामकाजी महिलाओं की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में अपने स्वास्थ्य के प्रति उनका जागरूक होना आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार विश्व की 50 प्रतिशत से भी अधिक महिलाएँ रक्ताल्पता की शिकार हैं। भारत में यह प्रतिशत और अधिक हो सकता है। यहाँ गर्भवती ही नहीं, सामान्य महिलाएँ भी कैल्सियम, आयरन और रक्त की कमी से पीड़ित हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि गाँवों में अशिक्षा और जागरूकता न होने के कारण स्त्रियां स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों से जूझ रही हैं।

आमतौर पर भोजन में **पोषक तत्त्वों के अभाव** से शहर में रहने वाली महिलाओं का पोषण ठीक ढंग से नहीं हो पाता। यह भी सच है कि महिलाएँ पूरे घर के स्वास्थ्य की चिंता तो करती हैं, किंतु अपने प्रति बहुत लापरवाह होती हैं। सामान्यत: प्रतिदिन उन्हें 30 ग्राम लौह तत्त्व की आवश्यकता होती है, परंतु वे 10-15 ग्राम ही ले पाती हैं। गर्भवती स्त्री को 50 ग्राम लौह तत्त्व प्रतिदिन लेना चाहिए, किंतु वे आवश्यक मात्रा में लौह तत्त्व, कैल्सियम, विटामिन आदि से वंचित रहती हैं।

आजकल महिलाओं को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ कराई जा रही हैं, फिर भी उनमें **हीमोग्लोबिन की कमी** चिंताजनक है। सरकार ने गर्भवती स्त्रियों की स्वास्थ्य-रक्षा हेतु अनेकों महत्त्वपूर्ण योजनाएँ लागू की हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश महिलाएँ स्वयं ही अपने स्वास्थ्य की अनदेखी। एक महिला में सामान्यत: हीमोग्लोबिन का स्तर 12.5 mg/dl होना चाहिए, परंतु अधिकतर महिलाओं में यह 10 से भी कम पाया जाता है। यदि आम लड़कियों के हीमोग्लोबिन की जाँच करवायी जाए तो वह भी कम ही होगा। उच्च वर्ग की स्त्रियों में डाइटिंग के कारण हीमोग्लोबिन कम हो रहा है।

कुछ स्त्रियाँ **स्वास्थ्य की अपेक्षा सौंदर्य को अधिक महत्त्वपूर्ण** मानती रही हैं। वे मोटापा घटाने और खूबसूरती पाने के लिए भरसक प्रयत्न करती हैं। जबकि उन्हें ज्ञात होना चाहिए कि वास्तविक सौंदर्य उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य से ही प्राप्त होगा और उत्तम स्वास्थ्य संतुलित व पौष्टिक आहार पर निर्भर है; जिससे शरीर के सभी अंग भलीभांति क्रियाशील रहते हैं।

कायिक सौंदर्य के प्रति सचेत महिलाएँ पौष्टिक आहार के बजाय गोलियों से कैल्सियम, लौह तत्त्व विटामिन आदि की कमी को दूर करने का प्रयास करती है। यह उपयुक्त नहीं है; क्योंकि इससे शरीर का समुचित पोषण संभव नहीं है। खेद की बात है कि सामाजिक तौर पर महिलाओं के स्वास्थ्य की चिंता नहीं की जाती। घरों में भी आमतौर पर यही धारणा है कि उसे अधिक देखभाल की जरूरत नहीं है। लड़कियों के बीमार पड़ने पर उनकी ओर प्राय: ध्यान नहीं दिया जाता। समाज में तो स्त्री के **स्वास्थ्य के प्रति चेतना का अभाव** है ही, मगर शिक्षित व स्वावलंबी महिलाएँ भी अपनी सेहत को सदैव दूसरे क्रम पर रखती हैं। जब तक कोई गंभीर तकलीफ नहीं होती, तब तक वे चिकित्सक के पास नहीं जाती हैं। स्वास्थ्य पर होने वाला व्यय उन्हें व्यर्थ लगता है। जबकि स्वयं के स्वास्थ्य के प्रति स्त्री की सजगता उसके सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण सोपान है। पहला सुख निरोगी काया, जैसी बात बारंबार सुनने के बावजूद नीरोग रहने की दिशा में स्त्री की चेष्टा संतोषजनक नहीं है। प्राय: उसकी यह मानसिकता होती है कि घर के सभी सदस्य भरपेट भोजन करें, स्वस्थ रहें - इसी में नारी जीवन की सफलता है।

अशिक्षित और अल्पशिक्षित ही नहीं, सुशिक्षित और उच्च पदासीन नारियाँ भी अधिकतर यही सोचती हैं; जबकि प्रत्येक स्त्री को यह सोचना चाहिए कि वह परिवार की एक अहम सदस्या है जिसके स्वास्थ्य पर ही संपूर्ण परिवार का स्वास्थ्य, सुख और प्रसन्नता निर्भर है। बहुत कम परिवार या पुरुष ऐसे हैं, जो घर में स्त्री के भोजन और स्वास्थ्य की परवाह करते हैं। सभी गृहणियों और कामकाजी महिलाओं को स्वयं ही अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए।

छोटी सी असावधानी से कभी-कभी गंभीर रोग हो जाते हैं यह नहीं भूलना चाहिए। इसका कारण है तनाव, चिंता, पौष्टिक भोजन का अभाव आदि। पहले महिलाएँ कैरियर के प्रति इतनी जागरूक नहीं थीं। अत: वे कम ही बीमार दिखाई देती थीं, लेकिन अब **जॉब और कैरियर की चाहत** से उनमें तनाव और बीमारी की समस्या बढ़ रही है। तनाव का असर दिमाग पर होता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

इस स्थिति से बचने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि महिलाओं को अपना और परिवारजनों का हर तीन महीने में स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की आदत डालनी चाहिए। यदि हर तीन माह में संभव न हो तो वर्ष में कम से कम एक बार तो ऐसा कर हो सकती हैं। इससे कोई भी बीमारी आरंभिक अवस्था में ही पकड़ में आ जाएगी और उससे छुटकारा पाना आसान होगा।

प्राय: **स्त्रियाँ मोटापा, मधुमेह, रक्ताल्पता, जोड़ों के दर्द आदि ऐसी तकलीफों से जूझ रही** होती हैं। जिनका आरंभ ही गलत जीवनशैली के कारण होता है। अत: इक्कीसवीं सदी में महिलाओं को चाहिए कि वे अपने तन-मन दोनों की सुंदरता के लिए जागरूक व सचेष्ट हों।

उन्हें अपनी जीवनचर्या व्यवस्थित रखनी चाहिए। नियमित रूप से चिकित्सक से अपनी स्वास्थ्य जाँच कराना चाहिए। स्वयं रोगमुक्त रहें और अपने परिजनों को भी रोगमुक्त रखने हेतु समय-समय पर चिकित्सक से सलाह लेती रहें। स्मरण रखें कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है यदि वे स्वयं अस्वस्थ होंगी तो परिवार का का ध्यान कैसे रख पायेगी। स्वस्थ प्राणी ही जीवन का आनंद ले सकता है। स्त्रियों के संदर्भ में तो यह भी कहा जा सकता है कि उनकी स्वास्थ्य चेतना ही सशक्तीकरण का आधार है। आज उस स्वास्थ्य चेतना को जागरूक रखने की आवश्यकता है।

– मेघना कुमावत (जलान्दरा),

उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा, भाजपा सिविल लाइन मंडल, जयपुर

आज के परिपेक्ष्य में नारी

ईश्वर ने सृष्टि को नारी के रूप में सर्वश्रेष्ठ उपहार दिया है। एक नारी कितने ही भावों, रूपों एवं भूमिका की साक्षी है। वह माँ के रूप में ममता की मूरत, पुत्री के रूप में प्यार की छवि तथा एक पत्नी के रूप में पति की सहचरि एवं सलाहकार तथा सास के रूप में मार्गदर्शक का अहम् दायित्व निभाती हैं।

संस्कार : एक संस्कारी नारी दो घरों की प्रतिष्ठा होती है तथा अपने पिता के घर से ग्रहण किये गये संस्कारों से अपने पति के घर को स्वर्ग सा सुन्दर बनाती है। एक स्त्री ही पति-पत्नी, सास-बहु तथा पिता-पुत्र के बीच संतुलन का सेतु होती है इससे परिवार सुखी व समृद्ध होता है। वह परिवार के बच्चों में संस्कारों की महकती बगिया है। एक नारी को चाहिये कि वह अपने बच्चों में बाल्काल से ही अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करें। शिक्षा तो विद्यालय से मिल सकती है पर संस्कार घर से ही मिलते हें तथा इन्हीं संस्कारों से माँ-बाप की परवरिश निर्धारित होती है। एक नारी द्वारा सास-श्वसुर की सेवा की जाती है तो इसका अनुकरण बच्चे भी करते हैं तथा उनमें बड़ो का आदर एवं सेवा करने के संस्कार आते हैं।

परिवर्तन का दौर : आज समय परिवर्तित हो गया है, नारी अब उच्च शिक्षित होकर घर के बाहर नौकरी तथा व्यवसाय में संलग्न हुई है। यहां तक की नारी अनेक क्षेत्रों में पुरुषों को चुनौती दे रही है। चाहे धनोपार्जन हो या राजनीति या समाजसेवा या खेल आदि आज नारी सर्वत्र नजर आ रही है। चाहे सरकारी नौकरियां हो या प्राइवेट कम्पनियों की नौकरियां, नारी ने अपना परचम लहराया है। ऐसे में नारी की परम्परागत शैली तो अब व्यवहारिक नहीं हो सकती परन्तु नारी को अपनी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिये। विदेशी पहनावे व फैशन से कहीं वे हास्य और उपहास का कारण बन सकती हैं। ध्यान रहे पहनावे व व्यवहार में शालीनता रखना नारी की गरिमा बढ़ाता है किन्तु भारतीय संस्कृति का त्यागकर विदेशी संस्कृति अपनाने से नारी के लिए सुरक्षा व संरक्षा का संकट खड़ा हो सकता है। नारी को अपने दोनों परिवारों की प्रतिष्ठा, मान मर्यादा तथा दायित्व का ध्यान रखना ही श्रेयस्कर है। नारी ही इस घर-संसार को स्वर्ग जैसा मंदिर बना सकती है। जब सब और सकारात्मक भाव होगा तब ही एक स्वावलम्बी नारी घर के बाहर और सुगमता से अपने व्यक्तित्व का विकास कर प्रोफेशनल जिन्दगी में भी सफल हो पायेगी।

– पूनम कुदीवाल

अध्यक्ष, सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा, महिला मोर्चा

अन्य समाजों द्वारा समाज सुधार को कदम

माहेश्वरी समाज : हाल ही के कुछ वर्षों में प्री-वेडिंग शूट का चलन सर्वसमाज में बढ़ा है। यह हिन्दु संस्कृति के अनुरूप नहीं है तथा समाज इसे कुरीति मानते हैं।

अखिल भारतीय **माहेश्वरी समाज** महासभा ने सोमनाथ में मीटिंग कर माना कि इसके परिणाम भयावय होंगे तथा इस पर रोक लगाने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है। इस निर्णय की प्रति देशभर की माहेश्वरी समाज संस्थाओं को भेजकर इसका पालन कराने को कहा है।

कुम्हार महासभा : हिसार कुमार समाज ने गरीब बच्चों को आगे बढ़ने के लिए उनकी शिक्षा पर होने वाले खर्च को उठाने का जिम्मा लिया है। छात्रावास में 10 कमरे भी बनाए गये हैं।

विश्नोई समाज : अखिल भारतीय विश्नोई समाज ने समाज के लोगों को ICS, RAS, IIT आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में समाज के बच्चों को सफलता दिलाने के लिए समाज की राशि से कोचिंग दिलाने का निर्णय लिया है।

माली समाज : माली (सैनी) समाज पहले से ही प्रतिवर्ष ICS आदि उच्च प्रतियोगी परीक्षाओं में समाज के प्रतिभावान बच्चों को दिल्ली में कोचिंग करवा रहा है जिससे सैनी (माली) समाज की प्रशासनिक सेवाओं में पहुंच बढ़ा पाये।

कुमावत समाज आकलन करे कि वो इन समाजों की तुलना में कहां है। समाज की प्रगति के लिए समाज और क्या कर सकता है, इस पर भी मंथन करना चाहिए।

साइबर सुरक्षा

भारत में इन्टरनेट यूजर्स लगभग 80 करोड़ हैं। लोग बैंक से ट्रांजेक्शन करने, ATM उपयोग करने, ऑनलाइन खरीद करने, सोशल मीडिया के इस्तेमाल आदि में इन्टरनेट का उपयोग कर रहे हैं। उधर साइबर ठगी करने वाले भी बढ़ रहे हैं तथा नई-नई तरकीब इस्तेमाल कर यूजर्स को झांसा दे रहे हैं। यद्यपि बैंक व वित्तीय संस्थाएं SMS कर चेतावनी जारी करते रहते हैं किन्तु यह पर्याप्त नहीं है। पिछले 3 वर्षों में भारत में 16 लाख साइबर क्राइम के मामले सामने आये। इनमें पिछले 2 वर्षों में 200 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वर्ष 2021 में साइबर क्राइम के 53 हजार मामले सामने आए। पिछले वर्ष ही दिल्ली एम्स की साइट हैक कर 3-4 करोड़ मरीजों के डेटा को चुरा लिया गया, इससे पहले ऑयल इंडिया, टेक महिन्द्रा, स्पाइसजेट जैसी कम्पनियां हैकर्स का निशाना बन चुकी हैं।

जब आम आदमी के बैंक खाते से हैकर्स साइबर क्राइम करके एक क्लिक में मेहनत की कमाई निकाल लेते हैं तो दर्द अधिक होता है। देश में इनकी रोकथाम के लिए मात्र 202 साइबर थाने हैं इनमें से अधिकांश तामिलनाडू व महाराष्ट्र में हैं। अपराध इसलिए भी बढ़ रहे हैं कि अधिकांश मामलों में अपराध साबित ही नहीं हो पाता। इस कारण अपराधियों को सजा बहुत ही कम मामलों में हुई। केन्द्र सरकार ने साइबर क्राइम रोकने को फण्ड दिया किन्तु राज्य सरकारों ने इस फण्ड का बहुत ही कम उपयोग किया।

अत: जरूरत है आम जनता इन्टरनेट का उपयोग करने में सावधानी बरतें व सतर्क रहे। अपनी निजी जानकारी, पासवर्ड तथा OTP को अन्य से शेयर नहीं करें। पासवर्ड बदलते रहें व आसान सा पासवर्ड नहीं चुनें।

-CA **शशि कुमावत,** असिस्टेंट कॉलेज प्रोफेसर

महिलाओं को करना होगा... **पृष्ठ 17 से आगे...**

हर युग में पुरुष के वर्चस्व की कीमत नारियों ने चुकाई है या उसे चुकाने पर मजबूर होना पड़ा है। यही वजह थी कि **नारी तेरी यही कहानी आंचल में है दूध आंखों में पानी** जैसी रचनायें रची गईं। भले ही आज हम यह कहकर खुश हो जायें, अपनी पीठ थपथपा लें कि आजादी के 75 सालों में हमारी महिलाएँ चाँद पर पहुँच गई हैं, ओलंपिक में पदक जीत रही हैं, फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं, मल्टीनेशनल कंपनियाँ चला रही हैं तथा राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर संभाल रही हैं, व्यावहारिक तौर पर यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंशमात्र है। आज भी बहुत सी लड़कियाँ ऐसी हैं, जो शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं। पढ़ाई-लिखाई के दौरान बीच में ही स्कूल छोड़ देने वाली लड़कियों की संख्या भी बहुत अधिक है क्योंकि लड़कियों से यह उम्मीद की जाती है कि वे घर के कामकाज में मदद करें। बहुत सी लड़कियाँ सिर्फ इसलिए उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती हैं क्योंकि उनके परिवार वाले उनको पढ़ाई के लिये घर से दूर नहीं भेजते हैं। जब-जब कोई स्त्री अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहती है तब-तब न जाने कितने रीति-रिवाजों, परंपराओं, पौराणिक आख्यानों की दुहाई देकर उसे गुमनाम जीवन जीने पर विवश कर दिया जाता है।

परिस्थियां इतनी भी स्याह नहीं हुई है, आज महिलाएं अनेक क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं। सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने की चाबी समाज के हाथ में है। न तो महिलाओं को देवी बनाकर उनकी पूजा हो और न ही उन्हें दबा कुचला समझ कर दीन भाव से देखा जाए। उन्हें बस समाज में बराबरी का अधिकार मिले। समाज अपने आप बदल जाएगा।

सरकार ने महिलाओं को सशक्त व सुरक्षित बनाने के लिए कानून तो कई बना दिए लेकिन उन्हें सख्ती से लागू नहीं किया जा रहा है। इससे उनका दुरुपयोग हो रहा है। घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत दो माह में मामले का फैसला करने का प्रावधान है लेकिन अदालतों में लंबे समय तक केस चलते रहते हैं। सरकार वास्तव में नारी सशक्तिकरण चाहती है तो महिलाओं के लिए बनाए गए कानूनों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। महिलाओं का शिक्षित होना ही उनकी प्रगति की राह को आसान कर सकता है। यह तभी संभव है जब शिक्षित और सजग होकर साहस के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेंगी। तभी महिलाओं के प्रति सामाजिक बदलाव आएगा। सरकार को महिलाओं को शिक्षित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए साथ ही सामाजिक कुरीतियों के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा। शिक्षित महिलाएं ही समाज में जागरूकता ला सकती हैं।

महिलाओं को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी। महिला उत्थान के लिए कोई आगे नहीं आएगा, हमें ही आगे बढ़ना होगा। महिलाओं को खुद एक दूसरे का सम्मान करना होगा तभी समाज में भी उन्हें मान मिलेगा। इसकी शुरूआत खुद के घर से करनी होगी। जिस दिन महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और नैतिक दासता से मुक्त हो जाएंगी, वे समाज में बराबरी पर आ जाएगी। इसके लिए महिलाओं को शिक्षा को अपना हथियार बनाना होगा।

आधुनिक युग की महिलाएं समाज से अपने लिए देवी का संबोधन नहीं मांगती हैं। स्त्रियों को देवी समझा जाए या नहीं लेकिन कम से कम उन्हें मानव की श्रेणी से नीचे न गिराया जाए। हजारों साल पहले महिलाओं की स्थिति पुरुषों से कहीं कमतर नहीं थी। लेकिन कुछ ऐतिहासिक कारणों से वे नीचे धंसती चली गईं। आज यह पूरे समाज का दायित्व है कि वह नारी को बराबरी का स्थान दें। स्त्री और पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। कहा भी गया है शिव शक्ति के बिना शव के समान हैं। राधा के बिना कृष्ण आधा हैं। नारियों की समस्या केवल उनकी समस्या नहीं है। यह पूरे समाज की समस्या है। साफ है कि नारी की स्थिति में बदलाव लाने के लिए पूरे सामाजिक ढांचे एवं सोच में बदलाव लाना जरूरी है।

सवाल है कि जिस देश की स्त्री का स्थान इतना ऊंचा था, श्रेष्ठ था, वहां उनकी इतनी दुर्दशा क्यों हुई? अगर आज हम महिला दिवस मनाते हैं, उसके सशक्तिकरण की बात करते हैं, उसकी भागीदारी की चिंता करते हैं तो इस मानसिकता और व्यवहार पर विचार करना होगा। यह विचार किसी को दोषी ठहराने के लिए नहीं बल्कि भविष्य में सावधानी बरतने के लिए आवश्यक है और दुनिया के अन्य देशों की तरह नहीं, बल्कि हमारे अतीत और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए महिला दिवस का आयोजन भिन्न प्रयोजन, ध्येय और उपायों के लिए किए जाने के लिए भी आवश्यक है, तब यह रस्म अदायगी नहीं, सही दिशा में उठाया गया सही कदम होगा।

-सोनम कुमावत

ऐसे बनाएं बेसन ढोकला

ढोकला खाने में स्वादिष्ट और स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। बच्चों से लेकर बडों तक सबको ये पसन्द आता है। सुबह-शाम नाश्ते में हरे धनियां या मीठी चटनी के साथ लेना पसन्द करते है।

मिश्रण बनाने के लिए- बेसन 1 कप, दही 1/2 कप, 1 ग्राम हल्दी, 1/6 छोटी चम्मच, नमक स्वादानुसार, हरी मिर्च कटी हुई एक, थोडी अदरक बारीक कसी हुई, तेल 1 चमचा, 1/4 कप पानी, फ्रूट साल्ट इनो इन इंडिया, चीनी एक चम्मच,

तडका लगाने के लिए सामग्री -1 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून राई, 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, कढी पत्ते 10-12, हरा धनियां थोडा सा कटा हुआ।

विधि : सबसे पहले एक बरतन में बेसन और दही डालकर अच्छी तरह से मिलाए। अब इसमें थोडा पानी और एक चमचा तेल, नमक और हल्दी डालकर अच्छी तरह से फेटे अब कटी हुई हरी मिर्च अदरक और एक चम्मच चीनी डालकर मिलाये। कूकर ले उसमें दो गिलास पानी डालें और लोहें का स्टेण्ड रखे और प्री- हीट करें। घोल में फ्रूट साल्ट इनो डालकर हिलाए एक ट्रे या थाली ले जो कूकर में आसानी से आ जाये उसमें चिकनाई के लिए नीचें व चारों और तेल लगाये ताकि ढोकला चिपके नही। अब पानी प्री-हीट होने पर थाली को स्टेण्ड पर धीरे से रख दें। इसके बाद कूकर की सीटी निकाल कर उपर से ढक्कन लगा दें। करीबन 20 मिनट बाद ढक्कन हटाये और ढोकलें में चाकू लगाकर देखें। चाकू पर यदि ढोकला चिपकता है तो वापस ढक्कन लगाकर पकाये और यदि चाकू पर ढोकला नही चिपका तो आपका ढोकला तैयार है। अब तैयार किये हुये ढोकले को चौकोर या मन चाहे आकार में काटकर एक बरतन में रखें। अब तडका लगाने के लिए एक छोटे पैन में एक चम्मचा तेल का डालें और गरम होने दे। गरम होने पर इसमें राई डालें फिर हरी मिर्च, कढी पत्ते डालकर भूने और गैस बन्द कर दे। अब कटे हुये ढोकलें पर तडका डालें और हरे धनियें से गार्निश करें । लीजिए ढोकला तैयार है। इसे हरें धनियें या मीठी चटनी के साथ परोसिये।

सुझाव : इनों डालने के तुरन्त बाद ही घोल को फैंटे तुरन्त ही थाली में डालकर कूकर में रखें अन्यथा ये स्पंजी नही बन पायेगा। मध्यम आंच पर ही भांप में पकायें।

- राजबाला कुमावत
बी.ए. इन होम साइंस, सांगानेर, जयपुर।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा... **पृष्ठ 6 से आगे...**

संविधान संशोधन के तहत विभिन्न संशोधन के साथ नए प्रावधान जोड़े गए। मुख्य परामर्शदाता एवं उदयपुर नगर निगम महापौर गोविंद सिंह टांक, क्षत्रपति शंभाजीनगर (औरंगाबाद) के महापौर गजानन्द बारवाल की मौजूदगी मे हुई बैठक के प्रारंभ में राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत, महामंत्री सूरजमल अडानिया, कोषाध्यक्ष गोपाल अनावडिया, पदेन अध्यक्ष ताराचंद सिरोहिया, पदेन महामंत्री छोटीलाल बडीवाल, परामर्शक अभय मोरवाल, संविधान संशोधन समिति संयोजक हरिशंकर खंडारिया, दक्षिण-पश्चिम जोन अध्यक्ष रमेशचंद्र झालवार, उत्तर पूर्व जोन अध्यक्ष गौरीशंकर मारवाल ने भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किए। ध्वज गीत के साथ बैठक की शुरुआत हुई।

कोषाध्यक्ष गोपाल अनावडिया ने वर्ष 2023-24 का बजट पेश किया। संविधान संशोधन समिति के संयोजक हरिशंकर खण्डारिया ने संविधान संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किए। महासभा के मुख्य परामर्शदाता एवं उदयपुर नगर निगम के महापौर गोविंदसिंह टांक ने कहा कि तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर चुनाव समिति बनाकर छह माह में चुनाव कराने का सुझाव दिया, जिसे ध्वनिमत से पारित किया गया।

समाज को मिले अधिकाधिक प्रतिनिधित्व : राजस्थान में आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजबंधुओं को अधिक से अधिक प्रतिनिधितत्व दिलाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत ने कहा कि जो भी राजनीतिक दल समाजबंधु को प्रतिनिधित्व देगा, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उनके साथ रहेगी। इसके लिए हम एकजुटता से प्रयास कर रहे हैं।

समाज विभूतियों का सम्मान : समाज के लिए समर्पित भाव से सहयोग करने और समाज के लिए भवणीत सेवा सदन समर्पित करने पर श्रीमती गीतादेवी चौरमा का भामाशाह सिरोमणी से सम्मानित किया गया। इसी तरह शिक्षा एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट के लिए गिरधारीलाल सिंघनवाल को **समाज रत्न** से सम्मानित किया गया।

18 वर्ष आयु के बन सकेंगे सदस्य : अब 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने बाले युवक भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के आजीवन सदस्य बन पाएंगे।

दक्षिण पश्चिम जोन के चुनाव घोषित : राजस्थान के दक्षिण-पश्चिम जोन के चुनाव जुलाई माह में होंगे।

मुम्बई में भवन, सहयोग की अपील : श्री कुमावत क्षत्रिय विकास संगठन मुम्बई के ट्रस्टी बिहारीलाल वर्मा मोरवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा मलाड़ में बनने वाले भवन निर्माण के लिए समाजबंधुओं से सहयोग की अपील की। उन्होंने बताया कि वहां विवाह समारोह व समाजबंधु के लिए ठहराव सहित कई सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

शबरी राम संवाद

एकटक देर तक एक सुपुरुष को निहारते रहने के बाद बुजुर्ग भीलनी के मुँह से बोल फूटे-कहो **राम**। शबरी की कुटिया ढूंढने में अधिक कष्ट तो नहीं हुआ? राम मुस्कुराए आना था माँ, कष्ट का क्या मूल्य? जानते हो राम तुम्हारी प्रतीक्षा तब से कर रही हूँ जब तुम जन्में भी नहीं थे। यह भी नहीं जानती थी कि तुम कौन हो? कैसे दिखते हो? कब आओगे मेरे पास? बस इतना ज्ञात था कि कोई पुरुषोत्तम आएगा जो मेरी प्रतीक्षा का अंत करेगा। राम ने कहा तभी तो मेरे जन्म के पूर्व ही तय हो चुका था कि राम को शबरी के पास जाना है।

एक बात बताऊँ प्रभु भक्ति के दो भाव होते हैं। पहला मर्कट भाव और दूसरा मार्जार भाव। बन्दर या बच्चा अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपनी माँ का पेट पकड़े रहता है ताकि गिरे नहीं उसे सबसे अधिक भरोसा माँ पर ही होता है और वह उसे पूरी शक्ति से पकड़े रहता है। यही भक्ति का भी एक भाव है जिसमें भक्त अपने ईश्वर को पूरी शक्ति से पकड़े रहता है, दिन रात उसकी आराधना करता है, पर मैंने यह भाव नहीं अपनाया। मैं तो उस बिल्ली के बच्चे की भाँति थी जो अपनी माँ को पकड़ती ही नहीं बल्कि निश्चित बैठी रहती है कि माँ है न, वह स्वयं ही मेरी रक्षा करेगी और माँ सचमुच उसे अपने मुँह में टांग कर घूमती है। मैं भी निश्चित थी कि तुम आओगे ही, तुम्हें क्या पकड़ना। राम मुस्कुराकर रह गए। भीलनी ने पुन: कहा सोच रही हूँ बुराई में भी तनिक अच्छाई छिपी रहती है न, कहां सुदूर उत्तर के तुम, कहाँ घोर दक्षिण में मैं। तुम प्रतिष्ठित रघुकुल के भविष्य, मैं वन की भीलनी यदि रावण का अंत नहीं करना होता तो तुम कहाँ से आते?

राम गंभीर हुए। कहा भ्रम में न पड़ो माँ, राम क्या रावण का वध करने आया है? अरे रावण का वध तो लक्ष्मण अपने पैर से बाण चलाकर कर सकता है। राम हजारों कोस चलकर इस गहन वन में आया है तो केवल तुमसे मिलने आता है माँ, ताकि हजारों वर्षों बाद जब कोई पाखण्डी भारत के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करे तो इतिहास चिल्ला कर उत्तर दे कि इस राष्ट्र को क्षत्रिय राम और उसकी भीलनी माँ ने मिलकर गढ़ा था। जब कोई कपटी भारत की परम्पराओं पर उँगली उठाये तो काल उसका गला पकड़ कर कहे कि यही एक मात्र ऐसी सभ्यता है जहाँ एक राजपुत्र की वन में प्रतीक्षा करती है, वहीं एक दरिद्र वनवासिनी से भेंट करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार करता है। **राम वन में बस इसलिए आया है ताकि जब युगों को इतिहास लिखा जाए तो उसमें अंकित हो कि सत्ता जब पैदल चल कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे तभी वह रामराज्य है।** राम वन में इसलिए आया है ताकि भविष्य स्मरण रखे कि प्रतीक्षाएँ अवश्य पूरी होती हैं। राम, रावण को मारने के लिए नहीं आया **माँ**।

शबरी एकटक राम को निहारती रही। राम ने फिर कहा-राम की वन यात्रा रावणयुद्ध के लिए नहीं है माता, **राम की यात्रा प्रारंभ हुई है भविष्य के लिए आदर्श की स्थापना के लिए।** राम निकला है ताकि विश्व को बता सके कि माँ की अवांछनीय इच्छाओं को भी पूरा करना ही राम होना है। **राम निकला है ताकि भारत को सीख दे सके कि किसी सीता के अपमान का दण्ड असभ्य रावण के पूरे साम्राज्य के विध्वंस से पूरा होता है।** राम आया है ताकि भारत को बता सके कि अन्याय का अंत करना ही धर्म है, राम आया है ताकि युगों को सीख दे सके कि विदेश में बैठे शत्रु की समाप्ति के लिए आवश्यक है कि पहले देश में बैठी उसकी समर्थक **सूर्पणखा** की नाक काटी जाए और **खर-दूषणों** का घमंड तोड़ा जाए और राम आया है ताकि युगों को बता सके कि रावण से युद्ध केवल राम की शक्ति से नहीं बल्कि वन में बैठी शबरी के आशीर्वाद से जीते जाते हैं।

शबरी की आँखों में जल भर आया था। उसने बात बदलकर कहा-बेर खाओगे राम? राम मुस्कुराए, बिना खाये जाऊँगा भी नहीं। माँ शबरी अपनी कुटिया से छबड़ी में बेर लेकर आई और राम के समक्ष रख दिये। राम और लक्ष्मण खाने लगे तो शबरी ने कहा मीठे हैं न प्रभु। माँ बस इतना समझ रहा हूँ कि यही अमृत है। शबरी मुस्कुराई बोली-सचमुच तुम मर्यादा पुरुषोत्तम हो राम, गुरुदेव ने ठीक कहा था।

- पत्रिका टीम

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डाक्टर

इनका सहारा जीवनपर्यन्त लेना चाहिए

सूर्य	:	ऊर्जादाता है।
आराम	:	तनाव व थकान से राहत मिलती है।
व्यायाम	:	तन्दुरुस्त रखता है।
शारीरिक श्रम	:	श्रम करने से शरीर के विषैले तत्व बाहर आते हैं।
दोस्त	:	मुसिबत में सहारा होते हैं।
स्वाभिमान	:	कर्मयोगी बनाता है।
आहार	:	संतुलित व पौष्टिक आहार पोषण करता है।

आगामी सामूहिक विवाह

- **थांवला, नागौर** - 30 मार्च, 2023
- **बिनोता (चित्तौड़गढ़)**
  - अक्षय तृतीया, 23 अप्रेल, 2023
- **उदयपुर**
  - अक्षय तृतीया, 22 अप्रेल, 2023
- **चौथ का बरवाड़ा (सवाईमाधोपुर)**
  - 5 मई, 2023

विशिष्ट संरक्षक

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छतीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छतीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नाालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्ल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मँडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

15 फरवरी श्रीमती भंवरीदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री बिहारी लाल छापोला हाथोज, जयपुर
15 फरवरी श्री आनन्द दंबीवाल, नन्द नगर, ब्यावर, अजमेर
16 फरवरी श्री बाबूलाल दम्बीवाल, दम्बीवालों की ढाणी, चौमू, जयपुर
18 फरवरी श्रीमती नाथी देवी धर्मपत्नी स्व. बद्रीलाल जी मारवाल, सावरदा।
18 फरवरी श्री अनिल (रिंकू) बधानिया, गोपाल जी की तलाई सांगानेर, जयपुर
19 फरवरी श्रीमती माया देवी धर्मपत्नी की कमल किशोर जी मामोर्डिया, जयपुर
20 फरवरी श्री वासुदेव दौराया, बूंदी रोड, चित्तौड़गढ़।
24 फरवरी श्री हरीश कुमावत (मारवाल), पूर्व विधायक (नावां), कुचामनसिटी, नागौर
24 फरवरी श्री गोपाल लाल भौरोदिया, लालकोठी योजना, जयपुर
26 फरवरी श्री भीमसिंह कुसुम्बीवाल, धौलाई, जयपुर
26 फरवरी श्री भगवान सहाय, बींवाल, आदर्श नगर कॉलोनी, चौमूं, जयपुर
27 फरवरी श्री प्रताप सिंह वर्मा, घोड़ेला, मालवीय नगर, जयपुर
27 फरवरी श्री वृद्धिचन्द जी भोड़्या, धोली मण्डी, चौमूं, जयपुर
27 फरवरी श्री चांदमल खौराणिया, खातीपुरा रोड, झोटवाड़ा, जयपुर
28 फरवरी श्री पवन कुमार नीमीवाल, आंतेड कच्ची बस्ती, किशनगढ़, अजमेर
28 फरवरी श्री भैरूराम छापोला, खोरा बीसल, बैनाड़ रोड, जयपुर
1 मार्च श्रीमती मनभर देवी धर्मपत्नी श्री नवरतन जी नरानिया, बापूनगर, जयपुर
1 मार्च श्रीमती साधना सिंह धर्मपत्नी श्री नवरतन जी नरानिया बापूनगर, जयपुर
2 मार्च श्रीमती बाछी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री कन्हैया लाल छाबल्या, सांगानेर, जयपुर
2 मार्च श्री बाबूलाल कुदीवाल, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
3 मार्च श्री सुगन लाल राहोरिया पुत्र स्व. किशनलाल जी, कुचामनसीटी
3 मार्च श्री छोटी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री छीतरमल सारड़ीवाल, कुचामनसिटी
4 मार्च श्री रामकिशन कुदाल, रलावता, किशनगढ़, जयपुर
5 मार्च श्री उमराव सिरस्वा कूतरों की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
7 मार्च श्री घासीलाल छाबल्या, सिरोहियो की तलाई, सांगानेर, जयपुर
7 मार्च श्री प्रभातीलाल जलिन्द्रा, कालाडेरा, जयपुर
8 मार्च श्री अरुणा देवी धर्मपत्नी की बद्रीलाल उदयवाल, ब्रह्मपुरी, जयपुर
14 मार्च श्री निखिल पुत्र श्री पूरणमल खोवाल, कल्याणपुरा, सांगानेर
14 मार्च श्रीमती लक्ष्मी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रायसिंह जी कैक्ट्या, पांच्यावाला जयपुर
15 मार्च श्रीमती सरन देवी वर्मा पत्नी स्व. श्री आनन्दीलाल लखेसरा, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
छवीकान्त	B. Com.	Paytm group Leader	20.4.96	5'8''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
डॉ. हिमांशु	BAMS, MS	Doctor	6.8.95	5'11''	राहोरिया	निम्बीवाल	खरकटा	सिरस्वा	9828775767	नागौर
जयकुमार	Polytechnic MA	BSNL	4.4.94	5'4''	नेमीवाल	मारवाल	घोड़ेला	सिरोहिया	8952872083	फुलेरा
हिमांशु	B.A.	Rajesh Motors	21.9.90	5'5''	सिरोहिया	खोराणिया	होदकास्या	घोड़ेला	9887096996	जयपुर
प्रिंस	Diploma	Supervisor in Abroad	1.9.96	6'0''	जलान्दरा	किरोड़ीवाल	घोड़ेला	खटोड़	9529349854	फुलेरा
दीपक	M.A.	Yes Bank	21.11.96	5'3''	मारवाल	लोडवाल	खोवाल	माचीवाल	8852029954	जयपुर
अंकित(मांगलिक)	10th.	Private	26.9.93	5'11''	नरानिया	दौराया	मारवाल	अनावड़िया	8619638244	जयपुर
सौरभ	B.Com. CA inter	Bussiness	30.7.97	5'9''	खोवाल	नीमीवाल	सिरस्वा	धुवारिया	9822172336	नासिक
विनीत	MCA	Sofware Engi.	30.10.96	5'9''	धुनारिया	राहोरिया	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	9414582091	सीकर
पुष्पेन्द्र	B.A. in Gems &Jew.	Executive Pvt.Ltd.	5.12.96	5'5''	भोड़ीवाल	कुदाल	मोरवाल	घोड़ेला	7011893955	जयपुर
हेमन्त(मांगलिक)	M.Com. (ABST)	Pvt. Ltd., Biawar	3.7.92	5'8''	कुण्डलवाल	बारावाल	देवतवाल	डेडवाल	9414550260	ब्यावर
कमलदीप	B.Tech (IT)	India Shelter Ltd.	11.7.94	5'8''	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	जायलवाल	कारगवाल	9314870337	जयपुर
सचिन	M. Com.	Pvt. Ltd., Jaipur	7.1.90	5'4''	तूंदवाल	धुमुनिया	जलान्दरा	खोरानिया	9929221581	सीकर
संजय	M.A., ITI	Instructure in ITI	7.1.91	5'5''	बबेरीवाल	कारगवाल	मारोठिया	कुदीवाल	8058118765	शाहपुरा
उमेश	B.Tech.	Bussiness (Own shop)	22.4.93	5'10''	आशीवाल	तूंदवाल	राजोरिया	किरोड़ीवाल	9950758681	जयपुर
जितेन्द्र	M.Sc. (Botany)	Lecturer in biology Deptt.	6.6.2000	5'10''	तुनगरिया	कारगवाल	ब्याड़वाल	बगरेनिया	8739913290	सीकर
संदीप	B.Tech. (Civil)	Site Eng. Ashish Group	13.12.91	5'10''	जेठीवाल	मारवाल	कोलुगरिया	घोड़ेला	9828351800	फुलेरा

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
नेहा	M.A.	BSNL	30.9.95	4'11''	तूंदवाल	सिरस्वा	मोरवाल	घटेलवाल	8440877341	-
अर्पिता	B.A.	-	6.11.2001	-	कुण्डलवाल	नागा	जलांधरा	राहोरिया	9252070083	ब्यावर
अंजीता	BBA, MBA	Tax.....	15.4.97	5'4''	भरूण्डिया	कुकड़वाल	मालिया	रेवारिया	9326130211	नसीराबाद
राधिका	B.A.		1.11.2002	5'4''	नेमीवाल	राहोरिया	बासनीवाल	घोड़ेला	8302612950	ब्यावर
श्रुती	M.Com. MBA	Pvt. Ltd, Co.pune	16.6.94	5'5''	सिरस्वा	खरनारिया	बासनीवाल	धमानिया	9414011842	किशनगढ़
मोनिका(मांगलिक)	B.A	-	15.8.95	5'6''	रतीवाल	किरोड़ीवाल	मोरवाल	सिरस्वा	9413994746	अजमेर
हीना	M. Tech(CS)	Tech. Editor Noida	3.2.92	5'0''	मारवाल	बबेरवाल	घासोलिया	मनीधूनिया	9212307238	दिल्ली
परिधी	B.Com., LLB	Executive in HZL	17.7.95	5'2''	घोड़ेला	नरानिया	बैथाड़िया	मारोठिया	9460830237	उदयपुर
दुर्गेश नन्दिनी	B.Tech(IT) MBA	Policy Bazar Sr. execut.	1.12.94	5'2''	करोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
वापिका	MCA	Pvt.	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	भोड़्या	9351708090	जयपुर
कृतिका(मांगलिक)	Diploma	JCB India jaipur	26.3.97	5'3''	जालवाल	धुंधारिया	छिछोलिया	सिरोया	9950047995	जयपुर
सपना	B.Com. C.A.	C.A. Bangalore	17.6.95	5'1''	बेड़वाल	मारोठिया	राहोरिया	दम्बीवाल	9314640321	जयपुर
किरन	M.Tech.	Tata Boeing Aerospace	16.3.94	5'5''	संगार	चांदोरा	मालवीया	तिलायचा	9313723675	जोधपुर
आयुषी	MBA, LLB	Deutsche Bank	1.2.96	5'3''	खोरानिया	बालोदिया	केकटिया	कारगवाल	9784412304	जयपुर
चांदनी	B. Pharma. MBD	Sys. Anal. Bangalore	25.9.91	5'2''	खरनारिया	मारवाल	रेनीवाल	होदकास्या	9214535336	भीलवाड़ा
ज्योति	M.Com. Bjmc	Assi. Manager	30.6.93	5'4''	जलान्दरा	किरोड़ीवाल	नरानिया	तूंदवाल	7568823961	जयपुर
प्रिया	MCA	Compue Instrument	25.9.96	5'2''	बड़ीवाल	बबेरीवाल	कुदीवाल	मारवाल	9887149797	जयपुर
नेहा	B.Arch.	Jr. Architect	5.9.99	5'7''	मारोठिया	गैदर	सिरस्वा	अनावड़िया	9314529497	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

सूचना

सांगानेर कस्बे में निवासरत कुमावत समाज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का डेटा संकलन कार्य वरिष्ठ समाजसेवी श्री सोहन लाल अजमेरा द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु सम्बन्धित कृपया उनसे बाजनी तलाई, वार्ड नं. 97, सांगानेर या मो. 9636860812 पर सम्पर्क करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

एक वर्ष का कार्यकाल...

पृष्ठ 18 से आगे...

आपने अल्पसमय में अपनी कार्यकारिणी घोषित की तथा कार्यकारिणी का विस्तार किया। जिसमें ओबीसी वर्ग की सभी जातियों को सम्मिलित करते हुए समाज के चार युवा चेहरों को शामिल कर राजनैतिक क्षेत्र में पर्दापण करने का अवसर दिया। राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को आगे लाने, उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आपने कार्यकारिणी में महिलाओं को नियुक्तियाँ दी। आपने पूरे जयपुर शहर में भारतीय जनता पार्टी को मजबूती प्रदान करते हुए ओबीसी मोर्चा के 28 मंडल अध्यक्ष घोषित कर उनकी कार्यकारिणी घोषित की। मंडल की कार्यकारिणीयों में भी आपने समाज के व्यक्तियों को सम्मिलित कर समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन किया है।

आपके कुशल नेतृत्व में महात्मा ज्योतिराव फूले व बाबा भीमराव अम्बेडकर जल प्याऊ पूरे जयपुर शहर में लगवाई गई। राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में भी पार्टी द्वारा आपको होटल लीला में परिसर सज्जा की महत्तवपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। योग दिवस के अवसर पर योग शिविर का आयोजन, तिरंगा रैली का आयोजन, प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन, प्राणिक हीलिंग योग शिविर का आयोजन, जयपुर शहर जिला बैठक का आयोजन, भाजपा शासन के सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 8 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन, प्रदेशाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा के जन्मदिवस पर फल वितरण, हैल्थ चैकअप कैंप का आयोजन, ओबीसी मोर्चा कार्यसमिति की बैठक का आयोजन तथा अनेक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कर पूरे प्रदेश में जिले के ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर की एक अलग पहचान बनाई है। आपके द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाकर पूरे जयपुर शहर में पौधारोपण किया गया। भारत सरकार के 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) से मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा। इसकी पहल करते हुए आप द्वारा टीबी मरीजो को गोद लेकर उनको पोषणयुक्त आहार किट दिये जाते रहे हैं जिससे इनमें संक्रमण से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़े। इसके लिए आपको माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा ''निक्षय मित्र'' सम्मान से सम्मानित किया गया। आपने अपने जन्मदिवस पर 101 सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाये। जन आक्रोश रैली अभियान में आपको पार्टी द्वारा झोटवाडा विधानसभा में सह संयोजक पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। नवमतदाता जोडो अभियान में भी ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर को जिम्मेदारी दी गई। इस अभियान की प्रदेश नेतृत्व द्वारा भी सराहना की गई है। आपने पार्टी के अनेक अभियानों को सफलतापूर्वक सम्पन्न कर पूरे प्रदेश में जिले के ओबीसी मोर्चा की एक अलग ही पहचान बनाई है।

ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत का कहना है कि मैं पार्टी की रीति-नीतियों को घर-घर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस उद्देश्य को पाने में मोर्चे के सभी पदाधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं का साथ और सहयोग मुझे निरन्तर मिल रहा है। भाजपा कार्यकर्ता ही ओबीसी मोर्चा की ताकत है। मोर्चे की यात्रा अभी अनवरत जारी है। ओबीसी मोर्चा की सफलता की 1 वर्ष की यह खुशी भी हम सबकी है। आप सभी का अशीर्वाद, मार्गदर्शन, प्यार व सहयोग मुझे इसी प्रकार मिलता रहेगा।

-भारती तोंदवाल

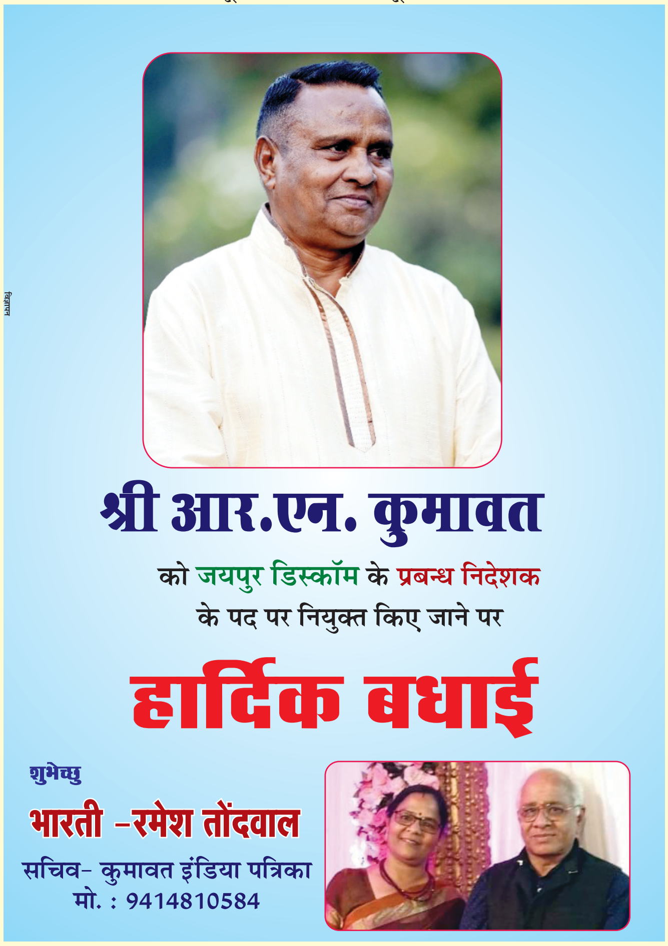

चयनित एवं पदस्थापित हुए समाजजनों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की बधाई

डॉ गणपत लाल कुमावत पुत्र श्री गोविंद राम जी नागा गांव - काजीपुरा सांभर लेक तहसील फुलेरा जयपुर का AIAPGET 2022 से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर मैं MD (PG in DRAVYAGUNA VIGYANA) के लिये चयन हुआ ।

डॉक्टर नरेश कुमावत (MBBS) पुत्र श्री कन्हैयालाल कुमावत जी (Govt Teacher) सीकर, को राजकीय मेडिकल ऑफिसर के पद पर राजस्थान के पाली जिले के रायपुर में पदस्थापन।

विधी कुमावत पुत्री श्री डॉक्टर जगदीश जी कुमावत (चाइल्ड स्पेशलिस्ट-टोंक) द्वारा MBBS किया गया।

डॉ. हर्ष किरोड़ीवाल ने MBBS किया गया।

डॉ. मुकेश कुमार कुमावत हरसौली किशनगढ़ रेनवाल का Queen's University, Belfast, United Kingdom में चयन।

सुश्री डॉ. तृप्ति कुमावत (MBBS & D.C.H "Pediatrician") पुत्री श्री प्रेम चंद मामोडिया, लालपुरा कॉलोनी, सिंधी कैंप, जयपुर निवासी को MBBS, & Apple Saraswati Multispecialty Hospital Kholapur, Maharashtra से D.C.H (चाइल्ड स्पेशलिस्ट) की डिग्री मिली।

दिव्या को संस्कृत में सर्वोच्य अंक प्राप्त करने पर सम्मानित

रतन लाल कवरी लाल पाटनी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, किशनगढ़, अजमेर ने कुमारी दिव्या पुत्री श्री ओमप्रकाश जी मारोठिया को संस्कृत में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया है।

वे अग्रवाल गर्ल्स कॉलेज किशनगढ़ में BA में टॉपर रही थी। दिव्या ने जामडोली, जयपुर में फैशन डिजाइनिंग के दो महीने के कोर्स में भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। दिव्या प्रतिभावान है व अनेक बार सम्मानित हो चुकी है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई।

राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर **श्री रतन नादोलिया** राजसमन्द को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

तमन्ना बिवाल पुत्री श्री अशोक कुमावत का चयन CAG में AAO के पद पर हुआ। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

सुरेश कुमावत कालाडेरा ने जयपुर जिला सीनियर पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीता, हार्दिक बधाई।

ऑस्कर में भारत को दो अवॉर्ड

95वीं ऑस्कर सेरेमनी लांस एंजलस में पहली बार भारत को पहली बार दो अवॉर्ड मिले हैं। फिल्म RRR के गाने **नाटू-नाटू** ने बेस्ट ओरिजनल सॉंग का अवॉर्ड जीता। वहीं, **द एलिफेंट व्हिस्परर्स** बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म बनी।

नाटू-नाटू को इससे पहले गोल्डन ग्लोब्स अवॉर्ड में बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का खिताब मिला था। बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री चुनी गई द एलिफेंट व्हिस्परर्स की डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्विस और प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने अवॉर्ड लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर RRR और द एलिफेंट व्हिस्परर्स के मेकर्स को बधाई दी है।

गुनीत बोलीं- भारत के लिए 2 महिलाओं ने वे कर दिखाया : द एलिफेंट व्हिस्परर्स को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म का अवॉर्ड मिलने पर प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने सोशल मीडिया पर लिखा- हमने अभी-अभी किसी भी इंडियन प्रोडक्शन के लिए पहला ऑस्कर जीता है। डायरेक्टर कार्तिकी गोंजाल्वेस ने लिखा- यह अवॉर्ड मेरी मातृभूमि भारत के लिए।

द एलिफेंट व्हिस्परर्स गुनीत की दूसरी फिल्म है, जिसे ऑस्कर अवॉर्ड मिला है। इस फिल्म की कहानी दक्षिण भारत के कपल बोमन और बेली की है, जो एक रघु नाम के अनाथ छोटे हाथी की देखभाल करते हैं। इस फिल्म के जरिए इंसान और जानवरों के बीच की बॉन्डिंग को दिखाया गया है। इससे पहले उनकी फिल्म पीरियड एंड ऑफ सेंटेंस को 2019 में बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शार्ट फिल्म की कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड मिला था।

दीपिका पादुकोण प्रेजेंटर के तौर पर शामिल हुईं।

विज्ञापन

स्व. 21.03.2009

14वीं पुण्यतिथि

21.03.2023

स्व. 02.11.2006

17वीं पुण्यतिथि

02.11.2023

स्व. श्री कन्हैयालाल जी स्व. श्रीमती जमना देवी

हम सब परिवारजन अश्रपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :

पुत्र - पुत्रवधु : रामकुमार बिरथलिया - भौंरीदेवी (से.नि. मैने, पी.एन.बी.)

पौत्र - पौत्रवधु : पूनम - महेन्द्र कुमावत, सी.ए.सी.एस., आस्ट्रेलिया

नीलम (मोना) - दीपेन्द्र कुमावत, सी.ए. आस्ट्रेलिया

पौत्री - पौत्री दामाद : मंजू - इंजि., संजय गोयल (गोल्या)

पड़पौत्री : रूसवी, आहना,

पड़पौत्र : मेधिर, यूवल

निवास : बी-186, वैशाली नगर, जयपुर - 302021

अष्टम पुण्यतिथि 13.04.2023

स्व. श्रीमती परवेश कुमावत (गैदर)

धर्मपत्नी श्री कृष्ण गोपाल कुमावत (के.जी. रेडियो)

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

स्व. 13.04.2015

आपका स्नेह, ईश्वर भक्ति, सद्व्यवहार, सेवाभावना एवं प्रेरणादायक जीवन सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा।

श्रृद्धान्वत:

पुत्र-पुत्रवधु : राजसिंह - संतोष, हेमेन्द्र सिंह-दीपाली

पुत्री-दामाद : उषा -सतीश भेड़ीवाल, शालिनी-नेमीचन्द मारोठिया

पौत्र : उत्कर्ष, हर्षवर्धन, हार्दिक

पौत्री : फणिन्द्रा, रूपल एवं समस्त गैदर परिवार

बी-14, मधुबन कॉलोनी, किसान मार्ग, टोंक रोड, जयपुर मो. 9468900276

स्व. 19.03.2016

सप्तम पुण्यतिथि

19 मार्च, 2023

स्व. श्रीमती आशा देवी कुमावत

(पूर्व अध्यक्षा - भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा ईकाई - सांगानेर)

(धर्मपत्नि सोहन लाल अजमेरा)

आपकी सादरगी, आदर्श एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।
आज हम सभी परिवारजन अश्रुपूरित नेत्रों से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत:

सोहन लाल कुमावत (एडवोकेट) पति, अजय-पूनम (पुत्र-पुत्रवधु)
कार्तिकेय-परिधि (पौत्र -पौत्री) संग्राम सिंह-ममता, दीपा-बृजेश कुमार
मीनाक्षी-राजकुमार (दामाद-पुत्रियां)

बाजगी तलाई, वार्ड नं. 97 (New), सांगानेर,
जयपुर मो. 9636860812

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

स्व. श्री भौंरीलाल धुंधारिया स्व. श्रीमती भंवरी देवी

30वीं पुण्यतिथि 7.10.2023 24वीं पुण्यतिथि 9.4.2023

श्रद्धावन्त :

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता,
पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला-रूकमणी, मोहनलाल रेणीवाल-शान्ती,
प्रेमनारायण घोड़ेला-इन्दिरा, पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा, राहुल, नीरज,
दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी,
कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी
पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता- नरेन्द्र आसीवाल

बी-137 -बी, आनंदपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9413335998
27 शिव विहार, पांच्यावाला, महाराण प्रताप रोड, जयपुर मो. 7219924079

वैवाहिक

Diwakar Kumawat

Date of Birth	: 10th September, 1995
Qualification	: B. Tech (Civil Engineer)
Occupation	: Marble Tiles Granite showroom
Height	: 5'9"
Gotra	: **Self :** Naga **Mother:** Machiwal **Maternal :** Ghodela **Grand Mother :** Marothiya
Father's Name	: Mr. Ramesh Chand Kumawat
Mother's Name	: Koshlya Devi
Sisters	: Deepika Kumawat (Married to Mr. Gaurav Kumawat) Shilki Kumawat (Married to CA Neeraj Ajmera)

R K Marble, Near Income Tax Office, Bazariya, SawaiMadhopur M : 9460441124

चेतन कुमावत

जिला अध्यक्ष
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

सफलता की ओर बढ़ते कदम...
1 year
10 अप्रेल, 2023

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष के पद पर 1 वर्ष पूर्ण होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु
भारती –रमेश तोंदवाल
सचिव- कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. : 9414810584

श्री आर.एन. कुमावत

को जयपुर डिस्कॉम के
प्रबन्ध निदेशक के पद पर
नियुक्त किए जाने पर

हार्दिक बधाई

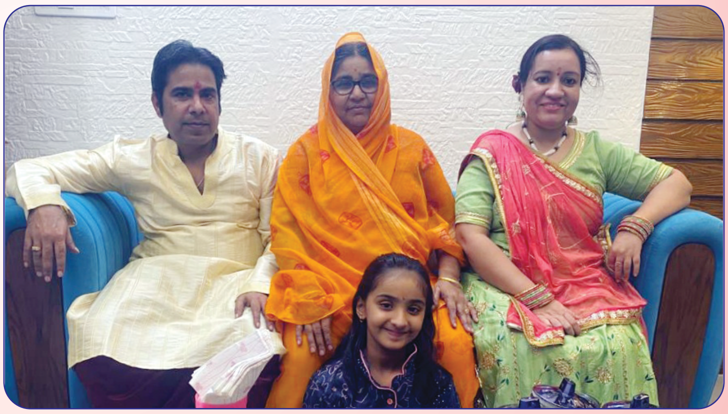

शुभेच्छुः
श्रीमती संतोष–स्व. श्री नंद लाल (**भाभी–भ्राता**),
श्रीमती श्वेता–रूपेश (**भतीजावधू–भतीजा**), कीर्ति (**पौत्री**)

बी-17, बरकत नगर विस्तार, टोंक रोड, जयपुर मो. : 9413334344

जातीय दिवस रामनवमी की हार्दिक बधाई

स्व. श्री बृजराज जी आर्य (राहोरिया) के आशीर्वाद से

श्री नरेन्द्र आर्य एवं विरल विरोश आर्य ब्यावर के प्रतिष्ठान

विरल पेट्रोलियम

नयारा (एस.आर. पम्प)

कॉलेज रोड, पानी की टंकी के पास, ब्यावर, जिला अजमेर (राजस्थान)

सम्बन्धित फर्म

- विरल बृज लीला गार्डन
- स्काई डांस एकेडमी
- जिम एवं योगा क्लासेज

मो. 8107944493 नरेन्द्र, 9352411106 विरल

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018